● वर्ष-4
● अंक-33
रायपुर, रविवार
15 सितंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› विक्रांत मैसी ने सेक्टर...

जनता की रायः कांग्रेस की महाराष्ट्र में आसान नहीं है राह

मुंबई। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महाराष्ट्र में सियासी जंग छिड़ चुकी है। महाविकास अघाड़ी गठबंधन में शामिल पार्टियां भाजपा और महायुति सरकार को घेरने का एक भी मौका नहीं छोड़ रहीं। हाल ही में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने पर कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी (एसपी) और उद्धव ठाकरे की शिवसेना सड़कों पर उतर आयीं थीं। उन्हेंने राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के पोस्टरों पर जूते तक मारे। मराठी आरक्षण समेत अन्य मुद्दों पर खुद को महाराष्ट्र की हितैषी साबित बताकर कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ माहौल तैयार करने में जुटी हुई हैं। कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूटीबी) के लिए महाराष्ट्र की जनता क्या सोचती, आइए जानते है

विपक्षी कांग्रेस और महायुति में शामिल पार्टियों के नेता वोटरों को साधने के लिए भले ही जितने भी दावे कर ले लेकिन राज्य की जनता का मानना है कि कांग्रेस महाराष्ट्र हितैषी नहीं बल्कि उसने महाराष्ट्र के प्रति स्पष्ट रूप से अपनी

नापसंदगी दिखाई है। महाराष्ट्र के लोगों के कल्याण को कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने कभी भी प्राथमिकता नहीं दी और महाराष्ट्र की महान विभूतियों का अपमान किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज, शाहू महाराज, डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले,और सावरकर जैसे प्रमुख नेताओं को कांग्रेस के विरोध का सामना करना पड़ा है। वहीं पिछले कुछ समय में विपक्षी नेताओं के कार्यों और बयानों ने छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के सम्मान को लेकर महत्वपूर्ण विवाद और बहस को जन्म दिया है।

शिवाजी को कांग्रेस ने लुटेरा बताया

अपनी पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया में जवाहरलाल नेहरू ने भी छत्रपति शिवाजी को विश्वासघाती लुटेरा कह कर उनका अपमान किया था। कांग्रेस ने इसके अलावा मध्य प्रदेश और बागलकोट में छत्रपति शिवाजी की मूर्तियां हटा दी हैं और मैंगलोर में उनका विरोध किया। पार्टी ने मुंबई को महाराष्ट्र को दिए जाने का भी विरोध किया और राज्य की अन्य प्रमुख हस्तियों का अपमान किया है।

छत्रपति शिवाजी की विचारधारा के शरद पवार भी खिलाफ गए हैं। तो वहीं, हिंदुत्व का झंडा बुलंद करने वाली शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे सत्ता की लालसा में कांग्रेस के विचारों से तालमेल बिठाया है। कर्नाटक में कांग्रेस के नेता और मंत्री सतीश जारकीहोली ने छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में विवादास्पद बयान दिया और अनाप-सनाप दावे किए।

यूबीटी नेता संजय राऊत ने शिवाजी महाराज के वंशजों की वंशावली पर सवाल उठाया। उन्होंने श्री उदयन राजे भोसले को छत्रपति शिवाजी महाराज से अपनी वंशावली साबित करने की चुनौती दी। कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के मैंगलोर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने का विरोध किया।

हरियाणा में भी लगेगी जीत की हैट्रिक- मोदी

कुरुक्षेत्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के लोगों से आगामी राज्य चुनावों में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन करने का आह्वान किया। कुरुक्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि हरियाणा में फिर से बीजेपी की सरकार बनाने में मदद करें। देश के बुजुर्गों को दी गई गारंटी, मोदी ने पूरी कर दी है। मैं हरियाणा के सभी भाइयों-बहनों से कहूंगा कि आप अपने बाल-बच्चों का ध्यान रखिए, आपके माता-पिता की चिंता आपका ये बेटा, आपका ये भाई कर रहा है। हरियाणा में भाजपा सरकार पूरे सेवा भाव से काम कर रही है। बीते वर्षों में हरियाणा निवेश के मामले में, कमाई के मामले में देश के टॉप राज्यों में पहुंचा है। मुझे इस बात का गर्व होता है। हमने कांग्रेस की सरकार का वो दौर देखा है... विकास का पैसा सिर्फ एक जिले तक सीमित रह जाता था। इतना ही नहीं, वो पैसा किस-किस के जेब में जाता था, इसको भी हरियाणा का बच्चा-बच्चा जानता है। भाजपा ने पूरे हरियाणा को विकास की धारा से जोड़ा है।

भाजपा सरकार के आने से पहले यहां आधे घरों में नल कनेक्शन नहीं था। आज हरियाणा करीब-करीब

शत प्रतिशत नल से जल वाला राज्य बन रहा है। जनता की परेशानी से, जनता की समस्याओं से कांग्रेस को कभी कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी देश में और कोई नहीं है। कांग्रेस किसानों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करती है... उन्हें बड़े-बड़े सपने दिखाती है। सच्चाई ये है कि ये झूठ के अलावा कुछ नहीं है। अगर कांग्रेस में दम है, तो वो कर्नाटक और तेलंगाना में अपनी किसान योजनाएं क्यों नहीं लागू करती? कर्नाटक और तेलंगाना में विकास के सारे काम ठप्प हैं। कांग्रेस पार्टी की एक ही नीति है- चुनाव जीतने के लिए जनता का खजाना खाली करो। इसी तरह आप पंजाब की हालत देखिए... क्या कर दी है।

ये लोग एमएसपी को लेकर कितना शोर मचाते हैं, जबकि हमारा हरियाणा देश का वो राज्य है, जो 24 फसलें एमएसपी पर खरीदता है। मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं वो लोग कर्नाटक और तेलंगाना में कितनी फसलें एमएसपी पर खरीदते हैं? वहां किसानों को कितना एमएसपी देते हैं? भाजपा की केंद्र सरकार ने किसान का बोझ अपने ऊपर लेने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। कर्मचारियों की हितैषी भाजपा सरकार नई पेंशन स्कीम लेकर आई है। इसमें कर्मचारियों के लिए निश्चित पेंशन की गारंटी है। इस नई पेंशन स्कीम का व्यापक स्वागत हुआ है, सरकारी कर्मचारियों ने इस पर खुशी जताई है। कांग्रेस ने किसानों के साथ ही हमेशा देश की रक्षा करने वाले जवानों को भी धोखा दिया है। ये भाजपा सरकार ही है, जिसने पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन लागू की।

नेहरू के रिजर्वेशन विरोध का जिक्र

पीएम मोदी ने आरक्षण पर कांग्रेस के स्टैंड का जिक्र करते हुए बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि नेहरू जी जब पीएम थे, तो उन्होंने आरक्षण का विरोध किया था। इतना ही नहीं नेहरू जी ने ये भी कहा था कि आरक्षण वाले नौकरी पा जाएंगे तो सरकारी सेवा की क्वालिटी खराब हो जाएगी। नेहरू जी ने ओबीसी आरक्षण के लिए गठित काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। भाजपा को बदनाम करने के लिए उसको भारत को बदनाम करने में शर्म नहीं आ रही है। इसलिए अब कांग्रेस और उसके साथियों से सावधान रहना है। पीएम ने कहा कि भारत में सबसे बड़ा दलित, ओबीसी और आदिवासी विरोधी अगर कोई है तो वो कांग्रेस का परिवार है। अभी इन लोगों ने कहा है कि अगर सरकार में आए तो दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। यही इस परिवार की सच्चाई है। कांग्रेस कान खोलकर सुन ले। जब तक मोदी है, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर के दिए आरक्षण में से रत्ती भर भी लूट करने नहीं दूंगा, हटाने नहीं दूंगा।

मोदी के घर में आया स्पेशल मेहमान, नामकरण भी हुआ,

पीएम मोदी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह जो भी करते हैं, वो तेजी से उनके फॉलोअर्स समेत देशभर में फैल जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर ये जानकारी दी है कि उनके घर में एक नन्हा मेहमान आया है और इस मेहमान का नामकरण भी किया गया है। पीएम मोदी ने कहा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है- गाव: सर्वसुख प्रदा:। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है।

एक नेता ने कहा था कि अगर मैं प्रधानमंत्री बना तो समर्थन देंगे-गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर में एक समोराह के दौरान प्रधानमंत्री पद को लेकर नया खुलासा किया। उन्होंने कहा कि एक नेता ने उनके सामने यह प्रस्ताव रखा था कि अगर वे प्रधानमंत्री बनते हैं तो उनका समर्थन किया जाएगा। हालांकि, गडकरी ने यह खुलासा नहीं किया कि प्रस्ताव रखने वाले नेता किस पार्टी से थे। गडकरी ने विदर्भ गौरव प्रतिष्ठान के कार्यक्रम में कहा, एक घटना मुझे याद आती है। एक नेता थे। मैं उनका नाम नहीं बताऊंगा। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर आप प्रधानमंत्री बनते हैं तो हम आपका समर्थन करेंगे। तब मैंने उनसे कहा कि आप मेरा समर्थन क्यों करेंगे? और मैं आपसे समर्थन क्यों लूंगा? प्रधानमंत्री बनना मेरे जीवन का लक्ष्य नहीं है। मैं अपनी संस्था और अपने दृढ़ विचारों के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं किसी पद के लिए उससे समझौता नहीं करूंगा। मेरा दृढ़ संकल्प मेरे लिए सर्वोपरि है। मुझे लगता है कि दृढ़ निश्चय होना ही लोकतंत्र की ताकत है। गडकरी ने एक और वाकये के बारे में बताया। उन्होंने कहा, %%करीब 15 दिन पहले माकपा पोलित ब्यूरो के एक नेता मुझसे मिलने आए। उनसे मुलाकात के दौरान एबी बर्धन साहब (भाकपा के

दिवंगत नेता) की बात निकली। मैंने उन्हें बताया कि विदर्भ के इतिहास में उनके जैसा बड़ा इंसान नहीं था। तब उन्होंने मुझसे कहा कि नितिन जी, वो तो आरएसएस के विरोधी थे। तब मैंने कहा कि ईमानदारी से विरोध करने वालों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि उसके विरोध में ईमानदारी है। जिसके विरोध में बेईमानी है, उसका सम्मान करने की आवश्यकता नहीं है। बर्धन साहब अपने विचारों के प्रति ईमानदार थे। मुझे प्रसन्नता होती है कि राजनीति में ऐसे लोग भी रहे। हालांकि, राजनीति में ऐसे लोगों की कमी है।

प्रमुख समाचार

बम धमाके से दहल उठा बंगाल, उड़ गया हाथ

कोलकाता। कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड इलाके में जबरदस्त धमाका हुआ। दोपहर के तकरीबन पौने दो बजे ये धमाका हुआ है और इसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। धमाका कैसे हुआ इसकी जांच में कोलकाता पुलिस जुटी हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ, जब कूड़ा बीनने वाला शख्स ब्लोचमैन स्ट्रीट और एसएन बनर्जी रोड के चौराहे पर 'प्लास्टिक के एक बैग के पास' खड़ा था। अब पूरे मामले को लेकर बीजेपी के नेता और केंद्रीय मंत्री ने अमित शाह से संपर्क किया है। केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मध्य कोलकाता में हुए विस्फोट की घटना की गहन जांच का अनुरोध किया है। मंत्री ने अपने पत्र में कहा गया है कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि घटना से संबंधित सभी संभावित कोणों की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए एनआईए या किसी अन्य केंद्रीय एजेंसी द्वारा विस्तृत जांच पर विचार करें। अस्पताल में घायल व्यक्ति ने अपना नाम बापी दास बताया है।

बदलाव ला सकता था सपा-बसपा गठबंधन, पर हमें धोखा मिला

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सपा-बसपा का गठबंधन राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकता था, पर हमें धोखा मिला। गठबंधन धर्म निभाने के लिए समाजवादी हमेशा त्याग करने को तैयार हैं। ये बात उन्होंने पार्टी मुख्यालय में हिंदी दिवस पर दानवीर कर्ण पर लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने साहित्यकारों को सम्मानित किया और हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। अखिलेश ने कहा कि दानवीर कर्ण जानता था कि वह युद्ध हारेगा, फिर भी अपने मित्रों का साथ नहीं छोड़ा। यह पूछने पर क्या गठबंधन की राजनीति में भी ऐसी मित्रता संभव है? अखिलेश बोले, राजनीति में अगर विचार, कार्यक्रम और सिद्धांत के लिए त्याग करना पड़ेगा, तो हम तैयार रहेंगे। सपा और बसपा का गठबंधन एक ऐसा सपना था, जो भीमराव आंबेडकर और राममनोहर लोहिया ने देखा था। हमें भरोसा था कि सपा-बसपा का गठबंधन देश की राजनीति को बदलेगा, लेकिन परिस्थितियां कुछ ऐसी रहीं कि गठबंधन नहीं चला।

'हिंदू विवाह कोई अनुबंध नहीं, तलाक के लिए वैध सहमति की आवश्यकता'

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि एक हिंदू विवाह को अनुबंध की तरह भंग नहीं किया जा सकता। शास्त्र सम्मत विधि आधारित हिंदू विवाह को सीमित परिस्थितियों में ही भंग किया जा सकता है और वह भी संबंधित पक्षों द्वारा पेश साक्ष्यों के आधार पर। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति दोनाडी रमेश की पीठ ने विवाह को भंग किए जाने के खिलाफ एक महिला की अपील स्वीकार करते हुए कहा, पारस्परिक सहमति के बल पर तलाक मंजूर करते समय भी निचली अदालत को तभी विवाह भंग करना चाहिए था जब आदेश पारित करने की तिथि को वह पारस्परिक सहमति बनी रही। अदालत ने कहा, ''यदि अपीलकर्ता का दावा है कि उसने अपनी सहमति वापस ले ली है और इस तथ्य को रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया है तो निचली अदालत अपीलकर्ता को मूल सहमति पर कायम रहने के लिए बाध्य नहीं कर सकती।'' पीठ ने कहा, ''ऐसा करना न्याय का उपहास होगा।'' महिला ने 2011 में बुलंदशहर के अपर जिला जज द्वारा पारित निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की थी।

बारामुला में 12 घंटे मुठभेड तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर/बारामुला। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बीच उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। 12 घंटे से अधिक चली मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार देर रात पट्टन के चक तापर क्रीरी में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली। सुरक्षाबलों तुरंत इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। सेना का दल जैसे ही आगे बढ़ा तो घिरते देख एक खस्ताहाल में स्कूल इमारत में छिपकर बैठे आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। सतर्क जवानों की जवाबी कार्रवाई से मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारी के अनुसार अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकी फरार न हों, फ्लड लाइट का प्रबंध कर मल्टी टियर सुरक्षा घेरा स्थापित कर दिया गया। शनिवार तड़के फिर से ऑपरेशन शुरू कर तीन आतंकियों को ढेर कर दिया गया। मारे गए आतंकियों से हथियार और गोला बारूद भी बरामद हुआ है।

हिंदुओं को जूस में मूत्र मिलाकर पिलाने का मामला

नई दिल्ली। हाल ही में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के उस आदेश पर विवाद खड़ा कर दिया गया था जिसमें कहा गया था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित दुकानदार अपना असली नाम दुकान के ऊपर लगाये गये बोर्ड पर लिखें। लेकिन अब उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से जो मामला सामने आया है वह दर्शा रहा है कि योगी सरकार का वह फैसला जनहित में था। हम आपको बता दें कि गाजियाबाद जिले के लोनी बॉर्डर क्षेत्र में पुलिस ने 29 वर्षीय एक जूस विक्रेता को फलों के जूस में मानव मूत्र मिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। साथ ही जूस विक्रेता के नाबालिग सहयोगी को हिरासत में लिया गया है। अंकुर विहार क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त भाष्कर वर्मा ने बताया कि यह गिरफ्तारी जनता की शिकायत पर की गई है। उनके मुताबिक लोगों ने शिकायत की थी कि यह जूस विक्रेता मानव मूत्र मिलाकर ग्राहकों को फलों का जूस परोस रहा था। उन्होंने बताया कि जूस विक्रेता की पहचान आमिर के रूप में हुई है। पुलिस आयुक्त भाष्कर वर्मा ने कहा कि सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसके जूस के ठेले पर तलाशी ली तो पेशाब से भरी प्लास्टिक की केन बरामद हुई। उनके अनुसार पुलिस ने इस संदर्भ में आमिर से पूछताछ की लेकिन वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वय बैठक के जरिए राष्ट्र और समाज को मिले संदेश

अवधेश कुमार

केरल के पलक्कड़ में 31 अगस्त से 2 सितंबर तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक से निकले संदेश कई अर्थों में महत्वपूर्ण है। संघ की अखिल भारतीय बैठकों पर देश और भारत में रुचि रखने वाले विदेश की भी दृष्टि रहती है। इस समय भारत के अंदर और पड़ोस में कुछ ऐसी गतिविधियां हो रही है जिनके संदर्भ में बहुत बड़ी संख्या में सक्रिय और आम लोग भी जानने को उत्सुक हैं कि इन पर संघ का मंतव्य क्या है और वह क्या कर रहा है।

पिछले कुछ महीने में भाजपा और संघ के संबंधों पर कई ऐसे संकेत और वक्तव्य आए जिनसे लगता था कि परस्पर संवाद, सहयोग या समन्वय की कमी है। इनमें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का वह बयान अभी तक चर्चा में है कि भाजपा उस दौर से काफी आगे बढ़ चुकी है जब उसे संघ की आवश्यकता थी और अब वह अपना कार्य स्वयं संभालने में सक्षम है। लोकसभा चुनाव परिणाम भाजपा और उनके समर्थकों के उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने के कारण भी अनेक अटकलें और टिप्पणियां सामने आ रही थी। राजनीति और सत्ता की ताकत सबसे बड़ी दिखती है इसलिए सामान्य मानस प्रत्येक विषय को इसी के इर्द-गिर्द देखता है। हालांकि सच यही है कि संघ से जुड़े या उसकी प्रेरणा से काम करने वाले अन्य संगठनों की तरह राजनीति में भाजपा भी एक है। सत्ता के पास सर्वाधिक निर्णयकारी शक्तियां है इसलिए उसके महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता।

संघ अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष 2026 की ओर बढ़ रहा है और इस दृष्टि से कुछ कार्यक्रम तय किये। इनमें पांच संकल्प प्रमुख हैं, जिनके आधार पर संघ राष्ट्रव्यापी सामाजिक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ने की घोषणा कर चुका है। ये हैं, सामाजिक समरसता, कुटुंब

प्रबोधन यानी परिवार व्यवस्था को मजबूत करना,पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय स्वत्व और नागरिक कर्तव्य यानी जीवन के हर क्षेत्र में स्व-भाव के साथ आगे बढ़ना। केरल में बैठक है तो वायनाड भूस्खलन और त्रासदी का विवरण एवं स्वयंसेवकों का समाज के साथ मिलकर किए गए राहत व पुनर्वास कार्यों का चित्र और आगे की योजनाएं भी सामने रखी गई। इसी तरह महिलाओं और बच्चियों के साथ दुराचार, बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा, वक्फ विधेयक,समान नागरिक संहिता आदि। पूरे देश को हिलाने वाला पश्चिम बंगाल का घटनाक्रम गहन चर्चा में न आये ऐसा हो नहीं सकता।

संघ पिछले अनेक वर्षों से समाज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं को आगे लाने, उन्हें स्वावलंबी बनाने तथा उनकी भागीदारी बढ़ाते हुए सामाजिक एकता और परिवर्तन पर काम कर रहा है। अहिल्याबाई की त्रिशताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की चर्चा और जनजाति महारानी रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती को व्यापक रूप से मनाने का निर्णय हुआ जिसकी पहल वनवासी कल्याण आश्रम करेगा। महिलाओं और बच्चियों के विरुद्ध यौन दुराचार पर सभी प्रतिनिधियों द्वारा त्वरित और समयबद्ध न्याय की आवश्यकता पर आम सहमति थी और कहा गया कि कानूनी तंत्र और सरकार को प्रोएक्टिव, सजग और सक्रिय रहने के साथ आवश्यकता होने पर कानूनी ढांचे को मजबूत करना चाहिए। यही पर्याप्त नहीं है। उम्मीद करनी चाहिए कि समन्वय बैठक से इस दिशा में निश्चित कार्यक्रम एवं सरकारों के लिए सुझाव आए होंगे जिन पर अमल होगा। बंगाल में राष्ट्रपति शासन पर संघ का मत अलग है। संघ के अनुसार विषय सरकार का है पर यह बहुत लोकतांत्रिक तरीका नहीं है। हालांकि यह भी कहा गया कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को कानून के अनुसार शासन करने और जनता की शिकायतों का समाधान करने के लिए जनता के प्रति जवाब दिए होना चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार क्या इस तरह का व्यवहार करने वाली है?

जाति जनगणना के मुद्दे को राजनीतिक दलों ने जिस उग्रता से सामने रखा है उससे समाज में भ्रम और तनाव दोनों बढ़ा है। अब इस पर देश को निर्णय करना है और स्वभाविक संघ जैसे सबसे बड़े सांस्कृतिक - स्वयंसेवी संगठन का मत इस बारे में देश जानना चाहता है। पहले भी संघ ने इस पर मत दिया है। पत्रकार वार्ता में पूछे जाने पर सुनील आंबेकर के वक्तव्य का मुख्य स्वर यही था कि संघ समाज के पिछड़ों, वंचितों आदि को मुख्यधारा में लाने के लिए आरक्षण सहित हर प्रकार के उपायों का समर्थन करता है। इस दृष्टि से आवश्यक हो तो हां, किंतु ऐसे संवेदनशील मुद्दों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता आदि की दृष्टि से संवेदनशीलता और गंभीरता से काम किया जाए। यानी इसका राजनीतिक दुरुपयोग न हो। अर्थ हुआ कि संघ को जनगणना के साथ जाति गणना में कोई समस्या नहीं है। हां,सचेत होकर गणना कराने के साथ पूरी सतर्कता से इसका उपयोग करना होगा। अब संघ ने फिर अपना मत स्पष्ट कर दिया है तो ज्यादातर लोग उसके अनुसार आगे प्रभावों व नकारात्मक उपयोग और दुरुपयोग का पूर्व आकलन करते इससे समाज के रक्षा करने के पूर्व उपाय पर काम करेंगे।

गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु सभी को मिल रहा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ

■ **जिले में अब तक 191 मरीज लाभांवित, 7 करोड़ 32 लाख रूपये से अधिक की दी गई आर्थिक मदद**

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की संकल्पना को साकार करते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक एवं जिले आर्थिक रूप से कमजोर तबके के मरीजों को मिल रहा है। विकासखंड पलारी के अंतर्गत ग्राम अमेरा की 22 वर्षीय कॉलेज छात्रा ऋ्चा कुर्रे को तीन साल पहले पीलिया हुआ। कमज़ोरी,बुखार,मल के साथ खून का आना,शरीर में पीलापन यह दिक्कतें बनी हुई थीं। बाद में विभिन्न जांचों के बाद रायपुर के एक बड़े निजी अस्पताल में यह पता चला कि उन्हें लिवर में समस्या है। डॉक्टर ने लिवर के ऑपरेशन की सलाह दी। उस समय एक ऑपेरशन हुआ।

ऋ्चा के परिवार ने बताया की उक्त ऑपेरशन के बाद भी राहत नहीं मिली जिससे बाद में लिवर ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई। ऐसे में धन की कमी को देखते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना अंतर्गत आवेदन दिया गया जिससे 18 लाख की सहायता राशि प्राप्त हुई । ऑपेरशन के बाद अभी ऋ्चा स्वस्थ हैं। ऐसे ही एक अन्य प्रकरण में पलारी के ही ग्राम हरिनभट्ठा निवासी रमेश कुमार कन्नौजे की की पत्नी को समय से पूर्व प्रसव में जुड़वां बच्चे हुए,जिन्हें रायपुर के बच्चों वाले एक निजी अस्पताल में विशेष देखभाल हेतु 105 दिन तक भर्ती किया गया। इसके लिए योजना के तहत 10 लाख के करीब सहायता राशि प्रदान की गई।

विकासखंड सिमगा के ग्राम केशली के 50 वर्षीय संजय कुमार वर्मा को एक वर्ष पूर्व हृदयघात हुआ जिसका इलाज रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में किया गया। इलाज के दौरान डॉक्टर ने उन्हें पेसमेकर लगवाने की सलाह दी। इसके लिए परिवार ने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में आवेदन किया जिससे उन्हें 6.5 लाख की सहायता दी गई। उक्त सभी मरीजों के परिजनों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया है और ऐसी योजनाओं को जनता के हित के किये जरूरी बताया है।

राज्य के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने,दुर्लभ बीमारियों में होने वाले इलाज के व्यय से बचाने तथा उसमें सहयोग करने के लिए संजीवनी सहायता कोष का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना चलाई जा रही है जिसमें अधिकतम 25 लाख रुपए की सहायता राशि इलाज हेतु संबंधित अस्पताल को मरीज के पूरे दस्तावेजों के निरीक्षण के पश्चात दिया जाता है । जिले में अब तक 191 मरीज लाभान्वित हुए हैं जिन्हें कुल 7 करोड़ 32 लाख 60 हज़ार 1 सौ 33 से अधिक की सहायता राशि दी जा चुकी है।

प्राथमिकता एवं अंत्योदय राशन कार्डधारी परिवार (छत्तीसगढ़ सरकार की अद्यतन सूची अनुसार) इस योजना हेतु पात्र हैं। योजना का लाभ राज्य एवं राज्य के बाहर के पंजीकृत चिकित्सालय में उपचार कराने पर ही प्रदान किया जाता है। जिसमें राज्य एवं राज्य के बाहर के सभी सरकारी चिकित्सालय, पंजीकृत निजी चिकित्सालय तथा सी.जी.एच.एस.के अतंर्गत पंजीकृत चिकित्सालय सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से लिवर, किडनी, फेफड़े, हृदय के प्रत्यारोपण के अलावा कैंसर, हृदय रोग, एप्लास्टिक अनीमिया, कॉक्लियर इम्प्लांट, हीमोफीलिया में इस योजना का लाभ मिलता है। विभिन्न प्रकार की अन्य ऐसी बीमारियां जिनका इलाज राज्य की अन्य योजनाओं में उपलब्ध ना हो उसमें सहायता विशेष समिति की अनुशंसा पर की जा सकती है। तकनीकी समिति की अनुशंसा पर आवश्यकतानुसार राज्य सरकार बीमारियों की सूची में संशोधन कर सकती है। इस बारे में अन्य जानकारी लेने के लिए 104 पर कॉल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना से शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरगवाँ में पढ़ाई की सहुलियत बढ़ी

■ **आकर्षक रंगरोगन, कलात्मक चित्रों से बच्चों को मिल रहा बेहतर परिवेश**

जांजगीर-चांपा। अब जांजगीर-चांपा जिले के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरगवां में बच्चों को पढ़ाई करने में सहुलियत होगी। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत यहां कुल 16.10 लाख रूपये की लागत से दो नए कमरे बनकर तैयार हो गए है। दरअसल इस स्कूल में बच्चों के लिए पढने हेतु कक्षों की कमी हो रही थी।

स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या बढने के कारण उन्हें एक ही कक्ष में बैठकर पढना पड़ता था, जिससे उन्हें परेशानी होती थी। तीन बने हुए कक्षों में एक कक्ष का सात साल पहले जीर्णोद्धार हुआ था। बाकी जर्जर स्थिति में थे। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालने के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण का निर्णय लिया गया। जांजगीर-चांपा के जनपद पंचायत अकलतरा के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरगवाँ में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के माध्यम से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जांजगीर के द्वारा 02 नग अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य कराया गया है। शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हो जाने से विद्यार्थियों को बैठक व्यवस्था में सुविधा होने लगी।

कक्षावार विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था होने से उनके अध्ययन कार्य और शिक्षकों के अध्यापन कार्य में सहजता हुई है। विद्यार्थियों को अब पढने के लिए आरामदायक वातावरण मिल गया है, विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। यहां 6वीं, 7वीं और 8वीं में कुल 102 बच्चे अध्ययनरत हैं। तीन कक्ष में एक ही हाल में दो नए कमरे बनने से अब कक्षों में विद्यार्थियों की कम भीड़ है, जिससे शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों, शिक्षकों ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत कक्ष बनने के बाद मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए खुशी जाहिर की है।

तुमालपाड़ की पहाड़ी में हुई मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

सुकमा। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के जंगल में सुरक्षाबल के जवानों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है। जवानों ने मौके से बड़ी मात्रा में नक्सलियों का सामान भी बरामद किया है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने इस मुठभेड़ की पुष्टि की है।

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि पुलिस को सुकमा जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र के तुमालपाड़ के जंगल और पहाड़ में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश पर जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर की एक संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया गया।

सुकमा एसपी ने बताया कि मौके पर पहुंचने के बाद जवान इलाके की घेराबंदी कर ही रहे थे कि अचानक नक्सलियों ने जवानों को देख लिया। इसके बाद नक्सलियों ने जवानों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। हमला होते देख जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्यवाही की। इसी दौरान जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया।

जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर वहां से फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद जवानों ने घटनास्थल में सर्च ऑपरेशन चलाया। जिसमें जवानों ने मौके पर से एक नक्सली का शव बरामद किया है।

सुकमा एसपी के मुताबिक जवानों को घटनास्थल से नक्सलियों का एक हथियार और बड़ी मात्रा में सामान भी मिला है। इस मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की अभी शिनाख्ती नहीं हुई है। फिलहाल जवानों का इस इलाके में अब भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

सुरक्षाबलों के कैंप पर नक्सलियों ने किया हमला

बीजापुर। जिले के सुकमा सीमा पर सुरक्षाबलों के कैंप पर शुक्रवार रात नक्सलियों ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि जंगल की ओर से कैंप पर जमकर गोलीबारी की गई है। जवानों की जवाबी कार्रवाई में नक्सली भाग निकले, हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मिली जानकारी के अनुसार जगरगुंडा क्षेत्र के पूर्वती गांव में सीआरपीएफ, डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा का संयुक्त कैंप हाल ही में खोला गया है, यह गांव नक्सली कमांडर हिड़मा का है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात नक्सलियों ने जंगल की ओर से कैंप पर हमला कर दिया। नक्सलियों ने जमकर फायरिंग की। नक्सलियों द्वारा अचानक हुए इस हमले के बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया। नक्सलियों की फायरिंग की मुंहतोड़ जवाब दिया गया। करीब 10-15 मिनट तक मुठभेड़ चलती रही। जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले, इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है। इस नक्सली हमले की अधिकारिक पुष्टि नही की गई है।

गृहमंत्री की फटकार के बाद आबकारी विभाग ने मारा छापा

■ **तालाब में उतरकर टीम ने बरामद किया 700 लीटर महुआ शराब और 6 हजार किलो से ज्यादा महुआ लहान**

तखतपुर। गृहमंत्री विजय शर्मा के मीटिंग के बाद शराब की अवैध बिक्री को लेकर आबकारी विभाग की टीम हरकत में आई है। शनिवार को टीम ने बिलासपुर जिले के गनियारी गांव में दबिश देकर महुआ शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गांव के तालाब और जमीन में छिपाकर रखे 700 लीटर महुआ शराब और 6 हजार किलो से अधिक महुआ लहान का जखीरा बरामद किया गया है।

आबकारी विभाग की इस कार्रवाई के बाद तखतपुर इलाके में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा कि लंबे समय से गनियारी में अवैध शराब का धंधा चल रहा था। इस मामले में गृहमंत्री विजय शर्मा के फटकार के बाद विभाग हरकम में आई और आज लावारिश हालत में शराब का जखीरा बरामद किया। गांव में सुबह से विभाग की कार्रवाई जारी है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी बिलासपुर कल्पना राठौर ने बताया कि बिलासपुर कलेक्टर अवनीश कुमार शरण और जिला सहायक आयुक्त आबकारी अधिकारी के निर्देश पर कच्ची महुआ शराब पर कार्रवाई के निर्देश मिले थे। मुखबिर से सूचना मिली थी कि गनियारी में अवैध शराब का कारोबार हो रहा है। इस पर अपनी टीम के साथ तड़के दबिश देकर कार्रवाई की गई। घरों में शराब नहीं मिला। जांच करने पर पता चला कि शराब तस्कर शंकर भगवान के मंदिर में शराब को छुपाकर रखे थे, जिसमें 700 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त किया गया। स्टाफ ने तालाब से 6 हजार महुआ लहान को निकाला। इस कार्रवाई में जिला सहायक आबकारी अधिकारी कल्पना राठौर, आरक्षक जय संकर कमलेश, ड्राइवर ललित, मुख्य आरक्षक सुभाष तिवारी की अहम भूमिका रही।

वंदे भारत ट्रेन पर फिर से पथराव पांच आरोपी गिरफ्तार

■ **महासमुंद-बागबाहरा के बीच हुई घटना**

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। बागबाहरा रेलवे स्टेशन पर कुछ असामाजिक तत्वों ने ट्रेन पर पत्थर फेंके, जिससे तीन कोच सी2-10, सी4-1 और सी9-78 के शीशे टूट गए। इस घटना के बाद रेलवे पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सभी बागबाहरा के निवासी हैं। रेलवे पुलिस (आरपीएफ) ने रेलवे एक्ट 1989 के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को आज ही रेलवे कोर्ट में पेश करने की योजना बनाई है।

आरपीएफ अधिकारी परवीन सिंह ने बताया कि यह घटना वंदे भारत ट्रेन के ट्रायल रन के दौरान हुई, जो 16 तारीख से शुरू होने वाली थी। ट्रेन महासमुंद से सुबह 7:10 बजे निकली थी और करीब 9 बजे बागबाहरा के पास पथराव हुआ। ट्रेन में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम शिव कुमार बघेल, देवेंद्र कुमार, जीतू पांडे, सोनवानी और अर्जुन यादव हैं। शिव कुमार बघेल के भाई के बारे में जानकारी मिली है कि वह एक पार्षद हैं।

यह पहली बार नहीं है जब वंदे भारत ट्रेन पर पथराव हुआ है। इससे पहले भी कई स्थानों पर ट्रेन पर इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, जैसे लखनऊ से पटना, गोरखपुर से लखनऊ, और अन्य राज्यों जैसे गुजरात, बंगाल, बिहार, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, और तमिलनाडु में भी ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। इन मामलों में भी कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पानी कम होने से अब संक्रमण का खतरा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में बीते 5 दिन से बाढ़ के हालात थे। क्योंकि, इस जिले के शिवनाथ नदी व अन्य छोटे-बड़े नालों के किनारे बसे गांव में बाढ़ का पानी घूस गया था। करीब 20 से अधिक गांव टापू बन गए थे। अब वर्तमान में बाढ़ का पानी कम होने लगा है। लेकिन, इस बाढ़ के बाद अब संक्रमण का खतरा है। ऐसे में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवाएं बांटी जा रही है। जिले के नवागढ़ के बाढ़ प्रभावित ग्राम करमसेन बस्ती में लगभग 150 घर हैं, जिसमे मितानिन द्वारा क्लोरीन टैबलेट वितरण किया गया। स्वास्थ अमला प्रतिदिन घर भ्रमण कर स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही है, वर्तमान में सभी दवा वहां उपलब्ध है। ग्राम में 12 गर्भवती महिलाएं हैं। इस गांव में किसी भी महिला का प्रसव की तारीख सितंबर माह में नही है। रेस्क्यू टीम के साथ अभी स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद है। बता दे कि बेमेतरा में हर साल बारिश के कारण बाढ़ के हालात नहीं बनते हैं। दरअसल, प्रदेश के सबसे बड़ी नदी में शामिल शिवनाथ नदी में राजनांदगांव जिला स्थित मोंगरा बैराज का पानी छोड़ा जाता है।

भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट में निर्विरोध चुनी गई कार्यकारिणी

भिलाई। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट, सेक्टर-6 में वर्ष 2024-2029 के लिए नई कार्यकारिणी निर्विरोध चुन ली गई है। जिसमें सर्वसम्मति से मिर्जा आसिम बेग नए सदर बनाए गए हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी अब्दुल रफीक कुरैशी ने बताया कि ट्रस्ट के बायलॉज के अनुसार नई कार्यकारिणी की चुनाव प्रकिया अगस्त 2024 से शुरू कर ट्रस्ट के स्थाई सदस्यों एवं पाँच साल के नियमित सदस्यों के मध्य अधिकतम दो पैनलों के बीच चुनाव किया जाना तय था। जिसमें स्थाई एवं नियमित सदस्यों को नई कार्यकारिणी समिति में चुनाव लडनें एवं मतदान का अधिकार दिया गया था। जिसमें ट्रस्ट के सदस्यों में मध्य सर्वसम्मति से ऑफिस पैनल के विरोध में किसी अन्य ऑफिशियल के द्वारा अपना नामांकन फार्म जमा नहीं किया गया। जिससे ऑफिस पैनल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। ऑफिस पैनल में अध्यक्ष-मिर्जा आसिम बेग, सचिव सैय्यद हुसैन, कोषाध्यक्ष-सैय्यद आतिफ अली को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

जवान ने खुद को गोली मारकर कर ली आत्महत्या

सुकमा। गादीरास थाना क्षेत्र अंर्तगत सीआरपीएफ 226 बटालियन के गादीरास कैंप में पदस्थ जवान विपुल भूयान निवासी असम में आज शनिवार सुबह अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार जवान दो दिन पहले ही छुट्टी से लौटा था, आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। गादीरास कैंप में तैनात जवान विपुल भूयान आज सुबह कैंप के बाथरूम में गया और स्वयं को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर साथी जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक जवान की मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जवान छुट्टियों से कैंप लौटा तब से ही परेशान था। हालांकि उसकी परेशानी और आत्महत्या का कदम उठाने का कारण सामने नहीं आ सका है। जवान के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। उल्लेखनिय है कि सुरक्षाबलों के जवानों के सुसाइड करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 20 दिनों के दौरान 4 जवान अपनी जान दे चुके हैं। वहीं एक पुलिस कॉन्स्टेबल की हालत गंभीर हैं।

विश्व आदिवासी अधिकार दिवस समारोह संपन्न

बीजापुर। बीजापुर में विश्व आदिवासी अधिकार दिवस के अवसर पर जिले के भैरमगढ़ और बीजापुर में सर्व आदिवासी समाज के ब्लाक इकाइयों ने आम सभा कर विश्व आदिवासी अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र संघ के घोषणा पत्र का पाठन किया। भैरमगढ़ के सर्व आदिवासी समाज के सामाजिक भवन में ब्लॉक के विभिन्न गांवों से आए समाज के प्रतिनिधियों ने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण सहित मौजूदा समय में अनुसूचित क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों के गैर जरूरी हस्तक्षेप पर चिंता जताई गई। सभा को सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी सहित अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुवात आदिवासी वीर शहीदों के छाया चित्र पर माल्यार्पण से की गई। कार्यक्रम का समापन भैरमगढ़ ब्लाक इकाई के अध्यक्ष सीताराम मांझी के वक्तव्य के साथ किया गया। इस दौरान बी एस भास्कर, सी एस नेताम, विनिता बघेल, सोमारु हप्पका, सुनिल उरसा, सोनारु बारसा, बुधराम गावडे सहित सैकड़ों की संख्या में सामाजिक पदाधिकारी मौजूद थे।

सूचना मिलने पर ओडिशा से मजदूरों को प्रशासन ने छुड़ाया

गरियाबंद। ओडिशा में बंधक आमामोरा के भुंजिया जनजाति के 4 समेत कुल 5 लोगों को आज सकुशल वापस लाने में जिला प्रशासन कामयाब रहा। दरअसल दो दिन पहले बरातू भुंजिया ने कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया था कि उनके दो भाई, दो बहू और एक बच्ची को ओडिशा के बालंगीर जिले के कुरेकेला थाना क्षेत्र के ढ़ोल मादल गांव में रुई बनाने वाले फैक्ट्री में बंधक बना लिया गया है। आवेदन में बताया कि मजदूर दिवाली के बाद आंध्र के ईट भट्ठे गए थे। तीन माह पहले वे वापस आ रहे थे, तभी ओडिशा में उन्हें कुछ ठेकेदार जबरन रुई फैक्ट्री में भेज दिया। घर तक आने जाने नहीं दे रहे थे। बंधक की सूचना मिलते ही कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने मजदूरों को छुड़ाने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता दिखाई और एसडीएम राकेश गोलछा के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। 24 घंटे के अभियान में भुजिया जनजाति के मजदूरों को प्रशासन की टीम सकुशल वापस ले आई।

6 महीने के बच्चे का अपहरण, सर्व आदिवासी समाज का दंतेवाड़ा बंद

दंतेवाड़ा। पोंदुम गांव के बाजार पारा में 1 सितंबर को शाम करीब 3:30 बजे घर के आंगन में झूले में सोए 6 महीने के बच्चे का अपहरण कर लिया गया। बाइक सवार 2 युवक बच्चे को उठाकर ले गए। पूरे मामले को सर्व आदिवासी समाज ने संज्ञान में लिया। 7 दिन बाद 7 सितंबर को आदिवासी समाज सड़क पर उतरे और पुलिस प्रशासन पर सुस्ती बरतने का आरोप लगाया।

पुलिस प्रशासन के समझाने के बाद धरना प्रदर्शन बंद किया गया। समाज के लोगों ने कहा कि इस मामले को पुलिस गंभीरता से लेते हुए बच्चे को जल्द से जल्द ढूंढे। समाज के लोगों ने बच्चे को ढूंढकर नहीं लाने पर 14 सितंबर को दंतेवाड़ा जिला बंद करने की चेतावनी दी। अल्टीमेटम की अवधि पूरी होने के बाद भी बच्चा अब तक पुलिस के हाथ नहीं लग पाया है। जिसके बाद समाज के लोगों ने 14 सितंबर को बंद का आह्वान किया। जिसके बाद शनिवार को दंतेवाड़ा जिला बंद रहा। व्यापारियों ने भी सर्व आदिवासी समाज के बंद को समर्थन दिया और अपनी दुकानें बंद रखी।

घर से बच्चे की किडनेपिंग के मामले में दंतेवाड़ा पुलिस और प्रशासन भी गंभीर है। जिला प्रशासन ने विज्ञप्ति जारी कर अपील की है कि जिस किसी व्यक्ति को बच्चे की जानकारी हो पुलिस को सूचना दें। पुलिस प्रशासन ने बच्चे की जानकारी देने वाले व्यक्ति को रु. 10000 इनाम देने की घोषणा की है। बच्चे की तलाश जारी है।

महीने भर से गंदा पानी पी रहे शहरवासी, युवाओं ने चलाया पोस्टर अभियान

बालोद। बालोद शहर के लोग इन दिनों गंदे पानी की समस्या से जूझ रहे हैं एक दो दिन नहीं बल्कि तीन दिनों से यहां पर गंदे पानी की सप्लाई हो रही है विगत 1 महीने से नलों से मत महिला पानी आ रहा है जिसके कारण पूरे शहर वासियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है वहीं पूरे मामले पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सौरभ शर्मा का कहना है कि पानी गंदा आने का मुख्य कारण है कि बारिश होने की वजह से डैम का पानी गंदा हो गया है इसके कारण फिल्टर प्लांट उसे साफ नहीं कर पा रहा है वही इस पूरे मामले को लेकर शहर के युवाओं ने प्रदर्शन भी किया है युवाओं का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता की वजह से शहर वासियों को गंदा पानी पीना पड़ा रहा है।

नगर पालिका अधिकारी सौरभ शर्मा ने कहा कि पानी पीने योग्य है हालांकि कुछ दिनों से शिकायत आ रही की पानी गंदा आ रहा है परंतु दम से जो गंदा पानी आ रहा है उसे फिल्टर करने में प्लांट को दिक्कत हो रही है और हम इसी तरफ कार्य कर रहे हैं कि फिल्टर प्लांट की क्षमता को कैसे बढ़ाया जाए उन्होंने कहा कि जो एलएम हम डाल रहे हैं और मात्रा बढ़ाकर भी डाल रहे हैं और मात्रा को ज्यादा बढ़ाया जाता है तो स्वास्थ्य के लिए वह हानिकारक हो सकता है उन्होंने कहा कि जल्द ही हम समस्या का निराकरण कर पाएंगे।

बालोद शहर के युवा अभिन्न यादव ने बताया कि हम विगत कुछ दिनों से गंदा पानी पीने को मजबूर हैं नगर पालिका प्रशासन और किसी प्रकार का ध्यान नहीं दे रही है इसलिए हमने पूरे शहर में पोस्ट अभियान की शुरुआत की है गंदे पानी की तस्वीर के साथ पालिका को जगाने के लिए पूरे शहर में पोस्टर लगाए हैं और उन्होंने कहा कि यदि समस्या का निराकरण जल्द ही नहीं होता है तो हम आगे उभरा आंदोलन करेंगे वही आशुतोष कौशिक ने कहा कि हमारे शहर में गंदे पानी की सप्लाई लंबे समय से हो रही है पालिका यहां पर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और इसका हम विरोध करते हैं हमने प्रदर्शन भी किया है और आगे या प्रदर्शन उग्र होगा शहर के सभी वार्ड के लोगों के साथ हम नगर पालिका का घेराव करेंगे।

बालोद शहर के युवाओं में यहां पर पूरे शहर के प्रमुख चौक चौराहाओं गली मोहल्ले में पोस्टर लगा दिया है और नगर पालिका की उदासीनता को लोगों के बीच लाने का प्रयास किया है आपको बता दें कि बिगड़ 15 दिनों से भी ज्यादा समय बीत चुका है जब पालिका द्वारा गंदे पानी की सप्लाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सरकार और समाज बुर्जुगों के साथ है : राज्यपाल डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने शनिवार

को माना कैंप में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नवीन वृद्धाश्रम का अवलोकन किया। वहां रहने वाले वृद्धजनों से बात चीत की और उनका हाल-चाल जाना। राज्यपाल श्री डेका ने बुर्जुगों से बात-चीत के दौरान कहा कि समाज का वर्तमान परिदृष्य आधुनिक सभ्यता की देन है। रोजगार के लिए बच्चे अपने माता-पिता से दूर रहते है जिससे बुढ़ापे में बुर्जुग अकेले हो जाते है, जो बच्चे साथ है उनके पास भी बुर्जुगों के लिए समय नहीं है। कई लोगों को बुढ़ापे में अपना जीवन यापन करने में भी दिक्क्त होती है। आज के समय में भारतीय मूल्यों को बनाये रखने में दिक्कत हो रही है। इसलिए वरिष्ठजन अपना हौसला बनाये रखें तथा आनंद से जीवन गुजारें। आपके साथ सरकार और समाज है, अपने को अकेला न समझें। उन्होंने कहा कि यहां निवास करने वाले वृद्धजनों को कोई समस्या हो तो उन्हें भी बता सकते है। डेका ने वहां उपस्थित सभी वृद्धजनों के पास जा कर उन्हें कम्बल, फल और मिठाई वितरित की। कैंप में निवास करने वाली विस्थापित परिवारों की वृद्ध महिलाएं जो वर्तमान में अकेले निवास कर रही हैं उनसे श्री डेका ने मुलाकात की और उनकी समस्याओं को जाना तथा उपस्थित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा। इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि, आश्रम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खाद्य तेल के रेट में आग लगी, 20 प्रतिशत तक बढ़े रेट : कन्हैया

रायपुर। खाद्य तेलों के दाम में आज अचानक हुई भारी भरकम वृद्धि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि थोक किराना बाजार में आज तेल की उपलब्धता नही मिल रही है । तेल का रेट आज बाजार में खुला पर तेल नही है, बाजार में तेल बीस से पच्चीस रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गया है। अचानक एक-दो दिन के अंदर तेल के रेट में बढ़ोत्तरी से घर का बजट तो बिगड़ेगा ही होटलों में सामग्री महंगी हो जाएगी। उन्होंने कहा की सरकार इस मामले को तत्काल संज्ञान में ले।

आईआईएम के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्यमंत्री से मुलाकात की

रायपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल से आयुष्मान के पैकेज दरों को कई वर्षों बाद फिर से पुनर्निर्धारित करने की मांग की है। इस मांग पर स्वास्थ्य मंत्री जी ने सभी विशेषज्ञों की एक संयुक्त कमेटी बनाने का आश्वासन दिया है। आई एम ए रायपुर ने पूरी आयुष्मान योजना का उड़ीसा राज्य की बीजू योजना से तुलनात्मक अध्ययन कर पुनः अवलोकन करते हुए पैकेज सहित समयबद्ध पारदर्शी भुगतान प्रणाली को अपनाने की जरूरत पर जोर दिया है। प्रतिनिधिमंडल ने आज फिर से मुलाकात के दौरान आयुष्मान योजना को इंश्योरेंस मोड में दिए जाने का तथ्यात्मक विरोध जताया है और संभावित फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर ने बायोमेडिकल वेस्ट की दरों और उनके निष्पादन में आ रही दिक्कतों की तरफ भी स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान दिलाया है।

बसना विधायक संपत को आया हार्ट अटैक, स्वास्थ्य मंत्री ने जाना हालचाल

रायपुर। बसना विधानसभा के भाजपा

विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल को शुक्रवार की देर रात अचानक हार्ट अटैक आया, उन्हें तत्काल बसना के अग्रवाल नर्सिंग होम में प्राथमिक उपचार के बाद बालाजी अस्पताल रायपुर में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। उनकी हालत अभी स्थिर बताई जा रही है। विधायक संपत अग्रवाल से मिलने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल बालाजी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टर देवेंद्र नायक से स्वास्थ्य की जानकारी ली व संपत अग्रवाल के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। विधायक के बड़े बेटे सुमित अग्रवाल ने बताया कि बीती रात करीब 11.30 बजे हल्का चेस्ट पेन हुआ और उन्हें तत्काल बसना के अग्रवाल नर्सिंग होम में ले जाया गया। जहां वरिष्ठ सर्जन डॉ. एनके अग्रवाल ने हृदयाघात का संदेह व्यक्त किया और बिना देर किए प्राथमिक उपचार कर एम्बुलेंस से रायपुर के बालाजी रेफर किया। जहां चिकित्सक डॉ. देवेंद्र नायक एवं उनकी टीम की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है। मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक उन्हें मेजर हार्ट अटैक हुआ है। विधायक की तबीयत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टर के मुताबिक उनकी बाईपास सर्जरी करनी होगी।

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन

मुख्यमंत्री साय 57 हजार श्रमिकों को 49.43 करोड़ राशि का डी.बी.टी. के माध्यम से करेंगे वितरण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के श्रमिकों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसका सीधा लाभ श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को मिल रहा है। उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 17 सितंबर विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर श्रमिक सम्मेलन में 57 हजार से अधिक पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को 49 करोड़ 43 लाख 52 हजार 294 रूपए केन्द्रीकृत डी.बी.टी. के माध्यम से वितरण करेंगे। यह कार्यक्रम राजधानी रायपुर के बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम आयोजित होगा।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि प्रदेश के पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को श्रम विभाग के अधीन छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सर्न्निमाण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत 47 हजार 726 निर्माण श्रमिकों 38 करोड़ 37 लाख 10 हजार 652 रूपए, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 6873 श्रमिकों को 9 करोड़ 86 लाख 58 हजार 500 रूपए एवं छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल अंतर्गत 2496 श्रमिकों को 1 करोड़ 19 लाख 83 हजार 142 रूपए की राशि डी.बी.टी. के जरिए वितरण करेंगे। इस तरह कुल 57 हजार 95 श्रमिकों को कुल राशि 49 करोड़ 43 लाख 5 हजार 229 रूपये का वितरण केन्द्रीयकृत डी.बी.टी. के माध्यम से किया जाएगा।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत 47 हजार 726 लाभार्थियों को कुल 38 करोड़ 37 लाख 10 हजार 652 रूपए का वितरण किया जाएगा। जिसमें मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत 5793 लाभार्थियों को 11 करोड़ 58 लाख 60 हजार रूपए, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के अंतर्गत 8181 लाभार्थियों को 3 करोड़ 3 लाख 8 हजार 652 रूपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना के अंतर्गत 6171 लाभार्थियों को 2 करोड़ 15 लाख 34 हजार 288 रूपए, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना के अंतर्गत 125 लाभार्थियों को 9 लाख 79 हजार 600 रूपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 9749 लाभार्थियों को 1 करोड़ 84 लाख 87 हजार रूपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 576 लाभार्थियों को 73 लाख 67 हजार 612 रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना के अंतर्गत 5 लाभार्थियों को 1 लाख रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के अंतर्गत 3653 लाभार्थियों को 54 लाख 79 हजार 500 रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत 279 लाभार्थियों को 2 करोड़ 83 लाख रूपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के अंतर्गत 6517 लाभार्थियों को 13 करोड़ 3 लाख 40 हजार रूपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अंतर्गत 708 लाभार्थियों को 1 करोड़ 41 लाख 60 हजार रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी सहायता राशि भुगतान योजना के अंतर्गत 5941 लाभार्थियों को 79 लाख 94 हजार रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के अंतर्गत 28 लाभार्थियों को 28 लाख रूपए का डी.बी.टी. के माध्यम से वितरण करेंगे।

इसी तरह छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के अंतर्गत 6873 लाभार्थियों को कुल 9 करोड़ 86 लाख 58 हजार 500 रूपए का वितरण किया जाएगा। जिसमें असंगठित कर्मकार महतारी जतन योजना के 3085 लाभार्थियों को 6 करोड़ 17 लाख रूपए, असंगठित कर्मकार मृत्य एवं दिव्यांग सहायता योजना के 322 लाभार्थियों को 3 करोड़ 22 लाख रूपए, असंगठित कर्मकार छात्रवृत्ति योजना के 3463 लाभार्थियों को 46 लाख 8 हजार 500 रूपए, ई-रिक्शा सहायता योजना के 3 लाभार्थियों को 1 लाख 50 हजार रूपए का वितरण करेंगे।

छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अंतर्गत 2496 लाभार्थियों को 1 करोड़ 19 लाख 83 हजार 142 रूपए का वितरण करेंगे। जिसमें शैक्षणिक छात्रवृत्ति योजना के 504 लाभार्थियों को 22 लाख 42 हजार रूपए, निःशुल्क सायकल वितरण योजना के 1427 लाभार्थियों को 52 लाख 17 हजार 342 रूपए, निःशुल्क सिलाई मशीन वितरण योजना के 562 लाभार्थियों को 44 लाख 38 हजार 800 रूपए एवं खेलकूद प्रोत्साहन योजना के 3 लाभार्थियों को 85 हजार रूपए का वितरण केन्द्रीयकृत डी.बी.टी. के माध्यम से किया जाएगा।

चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के महाधिवेशन में शामिल हुए सीएम

कबीरधाम। शनिवार को कवर्धा शहर में चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज कवर्धा राज द्वारा 53वां केंद्रीय महाधिवेशन का आयोजन किया गया। आज दोपहर के कार्यक्रम में सीएम विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, सांसद संतोष पांडेय समेत अन्य लोग शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश में पीएम नरेन्द्र मोदी के गांरटी पर विकास कार्य किए जा रहे है। हमने जो वादे किए थे, सभी पूरे हो रहे हैं।

सीएम ने आगे कहा कि प्रदेश में हर माह 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत एक-एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं। किसानों से भी 3100 रुपए प्रति क्विंटल के रेट में धान खरीदी किया। उन्होंने सभा में कुर्मी समाज के गौरवशाली इतिहास को लेकर जानकारी दी। समाज की मांग पर कबीरधाम जिले में 5 एकड़ सरकारी भूमि शैक्षणिक कार्य के लिए दिए जाने की घोषणा किया है।

कवर्धा विधायक और डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कवर्धा शहर में 25 लाख रुपए की छत्रपती शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापना की घोषणा किया। इस कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस ने भी संबोधित किया। वहीं कार्यक्रम में पूर्व सीएम भूपेश बघेल, दीपक बैज समेत अन्य नेता शामिल होंगे।

भाजपा सदस्यता अभियान की समीक्षा करने पहुंचे नितिन नबीन

रायपुर। भाजपा की सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक लेने बीजेपी के प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन

रायपुर पहुंचे हैं। उनहोंने अपने दौरे को लेकर कहा, पार्टी के लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुदृढ़ कर रहे हैं। सभी लोग फिर से सदस्य बन रहे हैं। फिर से देश को आगे बढ़ाने का संकल्प ले रहे। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सदस्यता अभियान में अच्छा गति है। कांग्रेस की पदयात्रा पर बीजेपी प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस के लोगों को माफी यात्रा निकालनी चाहिए। कार्रवाई से बचने के लिए पदयात्रा कर रहे हैं। भ्रष्टाचारी यात्रा नहीं करते, अब उनकी यात्रा जेल की होगी। निगम मंडल की नियुक्ति पर भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने कहा, यह प्रक्रियात्मक चीज है। पिछली बार भी समीक्षा किया गया था। मुझे उम्मीद है कि सभी चीज क्लियर हो जाएगा।

उप मुख्यमंत्री साव ने वाशिंगटन में सड़क और भवन निर्माण कार्यों को देखा

■ **आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों से निर्माण स्थलों पर चर्चा कर प्रयुक्त सामग्री, धातु एवं मशीनरी की जानकारी ली**

रायपुर। अध्ययन प्रवास पर अमेरिका गए उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने शुक्रवार को वाशिंगटन में सड़क एवं भवन निर्माण स्थलों का दौरा कर कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण स्थलों पर आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों से चर्चा कर निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, धातु एवं मशीनरी की जानकारी ली। उन्होंने वहां विशेषज्ञों के साथ बैठक कर सड़क एवं भवन निर्माण की नई तकनीकों तथा निर्माण परियोजनाओं के विभिन्न चरणों का अध्ययन किया। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह भी इस दौरान उनके साथ थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने वाशिंगटन में निर्माण कार्यों के विशेषज्ञों के साथ बैठक कर नई निर्माण तकनीकों तथा यू.एस.ए. में सड़क एवं भवन निर्माण परियोजनाओं की प्लानिंग से लेकर निर्माण तक चरणबद्ध रूप से उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी ली। वहां बिम कम्प्यूटर सिस्टम से भवन एवं अधोसंरचना का कम्प्यूटर में संपूर्ण डिज़ाइन तैयार किया जाता है जिससे न केवल उनके निर्माण में लगने वाली सामग्री एवं लागत का सटीक

आंकलन होता है, बल्कि बाद में होने वाले मेन्टेनेन्स के काम में भी मदद मिलती है।

श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अच्छी गुणवत्ता की टिकाऊ सड़कों और भवनों के निर्माण के लिए अमेरिका में प्रचलित नई तकनीकों एवं उपायों का विस्तृत अध्ययन कर लोक निर्माण विभाग में लागू करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने वाशिंगटन में विशेषज्ञों से कार्यस्थलों पर निर्माण श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी ली। उन्होंने सड़कों के पास स्थित रिहायशी इलाकों को ध्वनि प्रदूषण से बचाने के लिए किए जाने उपायों का भी अध्ययन किया। यू.एस.ए. में सड़क निर्माण एवं भवन निर्माण परियोजनाओं में प्रारंभिक डीपीआर स्तर पर काफी विस्तृत अध्ययन किया जाता है, ताकि बाद में आने वाली समस्याओं एवं होने वाले विलंब व लागत में वृद्धि से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री जनदर्शन का मिला सीधा लाभ, किसानों को मिली बड़ी राहत

■ **7 गावों के 7 सौ से अधिक किसानों के लिए 98 लाख 38 हजार रूपये जारी**

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निवास में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जनदर्शन का सीधा लाभ आमजनों को मिल रहा है। जनदर्शन में प्राप्त निर्देशों के अनुरूप बलोदाबाजार जिला प्रशासन ओला वृष्टि से प्रभावित फसल क्षति हेतु सोनाखान क्षेत्र अंतर्गत 7 गावों के 772 किसानों के लिए 98 लाख 38 हजार 528 रूपये जारी किया है। जिसमें ग्राम सुखरी के 79, छतवन 174, देवगांव 44, गनौद 59, कुशगढ़ के 156 एवं कुशभाटा के 174 प्रभावित किसान शामिल है। उक्त सभी किसानों के खाते में आरटीजीएस के माध्यम राशि तहसीलदार सोनाखान के द्वारा जमा करा दिया गया है। उक्त राशि मिलने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

गौरतलब है की 2023 में ग्राम नगेड़ा के आसपास ग्रीष्मकालीन धान

का फसल लगा हुआ था जो पूरी तरह से पक चुका था। मई माह में जोरदार ओलावृष्टि हुआ जिससे धान का फसल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। ओलावृष्टि से नुकसान हुए फसल के मुआवजा हेतु मुख्यमंत्री सहित कलेक्टर को भी आवेदन बड़ी संख्या में किसानों द्वारा दिया गया था। उसी समय ओलावृष्टि हुए आस पास के गांवों में कलमीदादर, बानीखार, देवरी, नगेड़ी, सहित कुल 33 गांवों को मुआवजा मिल चुका था। पर अन्य गांवों का मुआवजा बचा हुआ था जिसे अब जारी किया गया है। आवेदको में शामिल नगेड़ा निवासी डीगेश पटेल ने कहा फसल क्षति से प्रभावित मेरे दादी एवं पिता जी के खाते में मुआवजा राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया हैं।

प्रधानमंत्री के किसान हितैषी फैसलों का लाभ प्रदेश के किसानों को भी मिलेगा : साय

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के अन्नदाता किसानों की आय को बढ़ाने और उनकी खुशहाली के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के संचालन के साथ ही किसान हित में लगातार निर्णय ले रहें है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क हटाने के साथ ही खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी एवं प्याज के निर्यात शुल्क में कमी करने का निर्णय का छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वागत करते हुए कहा है कि इसका फायदा निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ के किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने श्री विष्णु देव साय ने देश के अन्नदाता किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने, खाद्य तेलों के आयात शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत

करने के साथ ही प्याज के निर्यात शुल्क को 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। केन्द्र सरकार ने रिफाइन ऑयल के बेसिक ड्यूटी को 32.5 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के इस निर्णय से निश्चित रूप से सोयाबीन, बासमती, प्याज, सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली के उत्पादक किसानों के आय में वृद्धि होगी। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के किसानों को भी मिलेगा। उनके उपज की बाजार में और अधिक मांग बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने इसके लिए केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया।

पानी टंकी के नींव में मिला था राजमिस्त्री का शव

मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए परिजनों के साथ धरने पर बैठे सिंहदेव

अंबिकापुर। पानी टंकी के नींव से राजमिस्त्री संदीप लकड़ा का शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले में 5 आरोपियों की गिरफ्तारी की है, लेकिन मुख्य आरोपी अभी भी फरार है। ऐसे में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे युवक के परिजन और सर्व आदिवासी समाज से मुलाकात करने पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव पहुंचे। इसे भी पढ़ें ~ बसना विधायक डॉ। सम्पत अग्रवाल को आया मेजर हार्ट अटैक, बालाजी हॉस्पिटल में किया गया भर्तीज

पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने बताया कि इस जघन्य हत्या के बाद अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे सर्वआदिवासी समाज एवं परिजनों से मैंने आज में सीतापुर में मुलाकात की। इसके साथ पुलिस और प्रशासन से जल्द से जल्द फरार आरोपियों को पकड़ने और शव के अंतिम क्रिया के लिए परिजनों से चर्चा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी शव का अंतिम क्रिया नहीं किया जाना एक गंभीर बात है, और पुलिस को तत्परता के साथ आरोपी को गिरफ्तार करना चाहिए।

महामाया मंदिर का होगा कायाकल्प : तोखन साहू

■ **रतनपुर में महामाया मंदिर कॉरिडोर के लिए बनाई गई विशेष योजना**

रायपुर/नई दिल्ली। आवासन और शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ के रतनपुर में महामाया मंदिर कॉरिडोर भव्य बनाने दृष्टिकोण को साकार करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त कि है। अयोध्या, काशी और महाकाल में देखे गए स्मारकीय विकासों की प्रतिकृति करते हुए, मंत्री ने ग्यारहवीं शताब्दी के महामाया मंदिर के लिए भी इसी तरह के परिवर्तन का संकल्प लिया है।

श्री साहू ने 13 सितंबर, 2024 को निर्माण भवन में राष्ट्रीय भवन निर्माण

निगम (एनबीसीसी) के अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई। बैठक में श्री के.पी. महादेवस्वामी, सीएमडी (एनबीसीसी), श्री आर.एन. शिना, सीजीएम (एनबीसीसी) अपनी टीम के साथ मौजूद थे और उन्होंने बैठक में विस्तृत योजना के बारे में जानकारी दी। इससे पहले, प्रदेश की करोड़ों जनता की आस्था को ध्यान में लेते हुए, राज्य मंत्री साहूने रतनपुर में कॉरिडोर बनाने की मांग रखी थी और केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात भी की थी। उन्होंने कहा कि रतनपुर का महामाया मंदिर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य मंत्री साहू ने कहा, हमारा लक्ष्य इस पवित्र स्थल को इस तरह से विकसित करना है कि इसके समृद्ध इतिहास का सम्मान हो और देश भर में इसकी छवि बढ़े।

एनबीसीसी ने महामाया मंदिर कॉरिडोर के लिए एक विकास योजना प्रस्तुत की। तथा यह सुनिश्चित करने के लिए मंदिर की भव्यता इसकी सुविधाओं से मेल खाती है, विकास योजना में व्यापक अवसंरचना विकास~ ज्योति कक्ष, भागवत मंच, प्रार्थना स्थल, कार्यालय, संग्रहालय इत्यादि तथा आगंतुकों के बेहतर सुविधाओं के लिए होटल, दुकानें, और कई पार्किंग क्षेत्रों के साथ बढ़ी हुई सुविधाएं लोगों को मिलेंगी।

मंत्री साहू का दृष्टिकोण महामाया मंदिर को एक प्रमुख आध्यात्मिक स्थल के रूप में उभारना है। इस पहल का उद्देश्य न केवल ऐतिहासिक मंदिर को संरक्षित करना है, बल्कि आगंतुकों को पुनर्जीवित और समृद्ध अनुभव प्रदान करना भी है। इससे राज्य में धार्मिक पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्र. 50/ नि.शा./का.अ./ लो.स्वा.यां. / खण्ड, रायपुर, दिनांक 30.08.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	कार्य का नाम	ठेके की राशि (रू.लाख में)
1	रायपुर जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत व्ही.आई.पी. कार्यक्रमों में पेयजल व्यवस्था एवं अन्य कार्य। क	4.96
2	रायपुर जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत मेला मद में पेयजल व्यवस्था, अस्थाई शौचालय निर्माण कार्य एवं अन्य कार्य। जोन क्रमांक 01	4.99
3	रायपुर शहर के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत मेला मद म पेयजल व्यवस्था, अस्थाई शौचालय निर्माण कार्य एवं अन्य कार्य। जोन क्रमांक 02	4.92
4	रायपुर शहर के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों में पेयजल व्यवस्था एवं अन्य कार्य।	4.97

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र कय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16.09.2024 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
रायपुर छत्तीसगढ़

जी-242502491/3

श्रीलंका में चुनाव और दक्षिण एशियाई संतुलन

महेंद्र वेद

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था ने वहां राजनीति को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि वर्ष 2022 की आर्थिक मंदी से कुछ हद तक उबरने के बाद श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी चल रही है। 21 सितंबर को होने वाले मतदान से एक व्यापक धारणा सामने आ सकती है कि कौन-सा विजेता किस देश को फायदा पहुंचा सकता है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र में भारत, अमेरिका और चीन जैसे तीन बड़े खिलाड़ी सक्रिय हैं। श्रीलंका के 1.7 करोड़ योग्य मतदाताओं के सामने सवाल यह है कि क्या वे अपने पुराने नेतृत्व को चुनेंगे, जो मुख्य रूप से आर्थिक संकट के लिए जिम्मेदार था या बदलाव के लिए किसी नए नेता को चुनेंगे। चूंकि मैदान में 38 उम्मीदवार हैं, इसलिए आकलन करना कठिन हो गया है। श्रीलंका ने अप्रैल, 2022 में 83 अरब डॉलर के कर्ज के साथ दिवालिया होने की घोषणा की थी। उसके ऊपर आधे से ज्यादा कर्ज विदेशी कर्जदाताओं का था। श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से भी 2.9 अरब डॉलर की राहत की मांग कर रहा है। राहत पैकेज की शर्तों को लेकर भी चुनाव में चर्चा हो रही है। पिछले साल 2.3 प्रतिशत की गिरावट के बाद 2024 में अर्थव्यवस्था के तीन प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। छह बार प्रधानमंत्री रह चुके मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे अपनी पार्टी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) में विभाजन के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। उनके दो साल के शासन में देश की अर्थव्यवस्था में आंशिक सुधार हुआ है। चूंकि महंगाई और वस्तुओं की कमी बनी हुई है, इसलिए चुनाव को उनके शासन के जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन वह नुकसान में हैं, क्योंकि वह उन पुराने नेताओं से जुड़े रहे हैं, जिन्हें श्रीलंका के लोग आर्थिक पतन के लिए दोषी मानते हैं। उन्हें संसद में विपक्ष के नेता से कड़ी चुनौती मिल रही है। इसके अलावा, उन्हें एक शक्तिशाली गठबंधन वाले वामपंथी नेता से भी चुनौती मिल रही है, जो युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। उनके दो सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी समागी जन बालावेगया (एसजेबी) पार्टी के सजित प्रेमदासा और अनुरा कुमार दिसानायके हैं। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) नामक मार्क्सवादी नेतृत्व वाले गठबंधन के नेता दिसानायके, विक्रमसिंघे के लिए प्रमुख चुनौती के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। उन्हें 2022 के विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने वाले कुछ लोगों का समर्थन भी मिल रहा है। पूर्व वामपंथी दिसानायके अब आर्थिक स्वतंत्रता और मजदूर वर्गों के लिए कल्याणकारी उपायों का वादा करते हैं। राजनीतिक विश्लेषक उन्हें मजबूत दावेदार मानते हैं क्योंकि उनका संबंध उन व्यापारिक और राजनीतिक अभिजात वर्ग से नहीं है, जिन्होंने अतीत में देश को चलाया था। विक्रमसिंघे के उपराष्ट्रपति रहे सजित प्रेमदासा अब अलग हुए यूएनपी का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रेमदासा ने आईएमएफ कार्यक्रम को जारी रखने के साथ गरीब लोगों पर बोझ कम करने के लिए बदलाव का वादा किया है। उन्होंने तमिल समुदाय को सत्ता सौंपने का वादा करके लुभाने की कोशिश की है। देश की आबादी का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा तमिल अब भी एक विफल हिंसक आंदोलन से उबर रहा है। अतीत को भूलकर, युवा तमिलों ने 2022 के आंदोलन में भाग लिया था, जिसकी स्मृतियां अब भी ताजा हैं। युवाओं की भागीदारी वाले उस शांत आंदोलन ने गोटाबाया और शक्तिशाली राजपक्षे परिवार को सत्ता से बाहर कर दिया था, हालांकि गोटाबाया को बहुमत हासिल था। ताकतवर राजपक्षे परिवार ने पूर्व प्रधानमंत्री और पूर्व राष्ट्रपति महिंदा के बेटे नमन को मैदान में उतारा है। नमन आर्थिक संकट के लिए अपने परिवार को नहीं, बल्कि कोविड-19 महामारी को जिम्मेदार ठहराते हैं। राजनीति में उनके प्रवेश से परिवार के प्रभाव का पता चलेगा, क्योंकि पिता महिंदा ने 2009 में तमिल सशस्त्र अलगावावादी आंदोलन को कुचल दिया था। चुनाव का नतीजा 22 सितंबर की शाम तक आ सकता है। मतदाता अपनी पसंद के तीन उम्मीदवारों का चयन कर सकते हैं। सबसे पहले पहली वरीयता की गणना की जाएगी और 50 प्रतिशत से अधिक वैध मत पाने वाले उम्मीदवार को विजेता घोषित किया जाएगा। यदि कोई स्पष्ट विजेता नहीं हुआ, तो पहले दो उम्मीदवारों को दौड़ में बनाए रखा जाएगा, और पहले नंबर के लिए अन्य उम्मीदवारों को चुनने वाले मतपत्रों की जांच की जाएगी कि शीर्ष दो दावेदारों में से कोई दूसरी या तीसरी पसंद है या नहीं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव : विमर्श के विषय

प्रवीण गुगनानी

कभी किसी जमाने की बात याद है न?! जब प्रत्येक राष्ट्रीय क़ानून, प्रस्ताव, प्रावधान आदि पर लिखा जाता था Except Jammu and Kashmir- जम्मू और कश्मीर को छोड़कर!! अब देश में वैसा नहीं होता है। अब जम्मू कश्मीर शेष भारत के नवनिर्माण में सहयोग दे रहा है। आज का कश्मीर नये भारत का नया कश्मीर है। जिस कश्मीर में दशकों तक ऐसा आतंकी वातावरण रहा कि वहाँ भारतीय भी जाने की कल्पना नहीं करते थे उस कश्मीर में मोदी सरकार ने जी ट्वेंटी का सम्मेलन करवा दिया, यही नया कश्मीर है।

अनुच्छेद 370 को इस प्रदेश की नियति मानने और बताने वाले लोग वस्तुत: बदनियत लोग थे, ये अब मुख्यधारा से बाहर हैं। कांग्रेस ने भी फ़ारूख़ अब्दुल्ला और उसके अन्य प्रिय कश्मीरी अलगाववादियों, उग्रवादियों व आतंकवादियों के साथ चलते हुए अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। 370 के उन्मूलन के बाद एक बना था, गुपकार गठबंधन। अब्दुल्ला परिवार व कांग्रेस इस गुपकार गठबंधन के प्रमुख चट्टे-बट्टे थे। ये चाहते हैं कि 370 कश्मीर में पुनर्स्थापित हो। अनुच्छेद 370 के संदर्भ में आज कांग्रेस की स्थिति साँप-छछून्दर के जैसी है। कश्मीर में वह अलगाववादियों, उग्रवादियों, आतंकियों, देश विरोधियों के साथ खड़े होकर 370 की पक्षधर दिखती है। यही कांग्रेस शेष भारत में अपनी इस केंचुली को उतारकर 370 के विषय में दोहरे चरित्र की बात करती है। जब समूचा भारत देश अनुच्छेद 370 के उन्मूलन को लेकर प्रसन्न हो रहा था तब कांग्रेस देश की इस प्रसन्नता से अलग होकर मुँह फुलाए बैठी थी। कांग्रेसी अभिषेक सिंघवी ने तब कहा था प्रथम दृष्टया, हम 370 को निरस्त करने के तरीकों पर निर्णय से असहमत हैं। 6 अगस्त, 2019 को कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने लेकर मोदी सरकार पर हमला किया था। इस बैठक में उसने 370 का सम्मान करते रहने का प्रस्ताव पारित किया था। ऐसा विरोध भला 'देश विरोध' नहीं तो और क्या था?!

शेष राष्ट्र के सामने कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र पर बड़ी बेशर्मी से स्वयं को 'गुपकार गैंग' से अलग बताती है। यही कांग्रेस अनुच्छेद 370 हटने के ठीक एक दिन पूर्व फ़ारूक़ अब्दुल्ला के निवास पर पीडीपी सहित कई अन्य

अलगाववादियों के साथ गले में हाथ डालकर बैठी थी और अनुच्छेद 370 के पक्ष में संयुक्त व्यक्तव्य जारी कर रही थी। यही कांग्रेस, अनुच्छेद 370 के हटने के एक वर्ष बाद भी कश्मीर में पुन: गुपकार रोड पर पुन: इन उग्रवादियों के साथ खड़ी दिखाई देती है। कांग्रेस, अब्दुल्ला और पीडीपी वाले इस अलगाववादी गठबंधन ने एक वर्ष बाद भी यह कहा था कि- अनुच्छेद 370 और 35 को पुनर्स्थापित करने हेतु ये लोग प्रतिबद्ध हैं। कश्मीर के इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता को कांग्रेस से यह पूछना चाहिए कि कश्मीर छोड़कर शेष राष्ट्र में वह अनुच्छेद 370 को हटाने के पक्ष में क्यों खड़ी दिखती है? ये दोहरा चरित्र क्यों है?! शेष राष्ट्र में वह अब्दुल्ला व मुफ़्ती परिवार से दूरी का प्रदर्शन करती है और अब विस चुनाव भी उनके साथ ही लड़ती है। कश्मीर की जनता को इन दोहरे और डुप्लीकेट चरित्र वाले लोगों का बहिष्कार करना चाहिये। गुपकार गठबंधन स्पष्ट तौर पर विदेशी शक्तियों का एक Bomb Toy है और कांग्रेस, अब्दुल्ला, पीडीपी इसके साथ खड़े हुए हैं।

डॉ. पंडित श्यामप्रसाद मुखर्जी के संकल्प एक देश, एक विधान, एक प्रधान के संकल्प को शिरोधार्य किए हुए भाजपा ने अपनी संकल्पशक्ति से भारत के मुकुटमणि को 370 व 35 ए के दंश से मुक्ति दिलाई है। कश्मीर का विकास अब शेष देश के समान आगे बढ़ता हुआ दिखता है। वर्ष 2020-21 में 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार, जम्मू और कश्मीर प्रदेश एवं लद्दाख हेतु क्रमश: 30757 करोड़ रु. और 5959 करोड़ रु. का अनुदान दिया गया है।

भाजपा की केंद्र सरकार ने कश्मीर में लोकतंत्र को पुनर्जीवित किया है। वर्ष 2018 में भाजपा की संकल्प शक्ति से कश्मीर में पंचायत चुनाव हुए जिसमें 74.1 प्रतिशत मतदान हुआ, वर्ष 2019 में ब्लॉक डेवलेपमेंट काउंसिल चुनाव में 98.3 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद जिला स्तर के चुनाव में भी यही गाथा दिहराई गई। आज कश्मीर में आयुष्मान योजना से 4.4 लाख लाभार्थियों की सूची बन गई है। प्रधानमंत्री किसान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ने कश्मीर ने देश के शेष राज्यों की अपेक्षा अधिक सफलता अर्जित की है। कश्मीर के मूल निवासियों के अधिकारों को सुरक्षित किया गया है। नई मूल निवासी परिभाषा के अनुसार 15 वर्ष या अधिक समय तक जम्मू-कश्मीर में रहने वाले व्यक्ति भी अब अधिवासी माने जाएंगे इससे कश्मीर की जनता सुरक्षित हुई है। कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए छ: हज़ार आवासों का निर्माण हो गया है। जम्मू-कश्मीर से बाहर विवाह करने वाली लड़कियों और उनके बच्चों के अधिकारों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया गया है। कश्मीर में पहली बार दस हज़ार रिक्त नौकरियों को सूचीबद्ध करके इन पर नियुक्तियों का कार्य प्रारंभ किया गया है। इसके दूसरे चरण में लगभग साढ़े बारह हज़ार नौकरियों हेतु भर्ती अभियान चलाया गया है। मोदी सरकार ने कश्मीर में हिमायत योजना से लगभग नब्बे हज़ार युवाओं को प्रशिक्षण दिया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने पचास नये महाविद्यालय प्रारंभ किए हैं जिसमें लगभग सात हज़ार कश्मीरी छात्र नये कश्मीर का भाग्य रहे हैं। सात मेडिकल कॉलेज व पाँच नर्सिंग कॉलेज प्रारंभ किए गए हैं। आईआईटी जम्मू को अपना कैंपस और एम्स की भेंट मिली है। अटल टनल प्रारंभ होने के साथ साथ चिनाब पर विश्व का सबसे ऊंचा 467 मीटर का पुल अब कश्मीर को वैश्विक नक्शे पर एक आतंकग्रस्त नहीं अपितु एक विकसित प्रदेश के रूप में दिखाता है। कश्मीर में आज ऐसी कई नई-नई योजनाएँ प्रारंभ हो रहीं हैं।

एक समय था जब कश्मीर के जंगल उजाड़कर देश भर में बनने वाली पेंसिल की लकड़ी पुलवामा से जाती थी। आज मोदी सरकार की कल्पनाशीलता से पुलवामा का उक्खूँ गाँव देश भर की पेंसिल खपत की नब्बे प्रतिशत पेंसिल और बड़ी मात्रा में क्रिकेट बैट सप्लाई करके अपने उत्पाद का उच्चतम मूल्य प्राप्त कर रहा है और सबसे बड़ी इसके लिए वह अपने अमूल्य देवदार के वृक्षों को भी नहीं काटकर पर्यावरण सुरक्षा भी कर रहा है। पहले कश्मीर से पेंसिल की लकड़ी जाती थी, अब वैल्यू एडिशन के साथ पेंसिल जाती है और स्थानीय बहुमूल्य लकड़ी भी नहीं काटी जा रही है।

कश्मीर में दस वर्षों बाद होने जा रहे विस चुनावो में भाजपा का स्पष्ट कहना है कि वह कश्मीर को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों से मुक्ति दिलायेगी और कश्मीर की कश्मीरियत स्थापित रखेगी। जम्मू व श्रीनगर में मेट्रो रेल प्रारंभ होगी। किसानों का बिजली बिल आधा ही लिया जाएगा। सौ हिंदू मंदिरों का पुनर्निर्माण करके कश्मीरी संस्कृति को सुरक्षित किया जाएगा। भाजपा प्रत्येक कश्मीरी महिला को अट्ठारह हज़ार रुपये प्रतिवर्ष व प्रति वर्ष दो गैस सिलेंडर भी नि:शुल्क देगी। वृद्धावस्था, विधवा और विकलांगता पेंशन को एक से तीन हज़ार रुपये कर दिया जाएगा।

कश्मीर में पांच अगस्त 2019 के पश्चात जो नया अध्याय प्रारंभ हुआ था उसने लगभग तीन वर्षों का कोरोना कालखंड का दंश भी झेला है। कोरोना के बाद भी कश्मीरी पर्यटन आज सफलता के नये आयाम छू रहा है तो इसके पीछे दिल्ली और श्रीनगर में स्थापित नये शक्ति-सूत्र ही कार्य कर रहें हैं। इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता दिल्ली को और अधिक मज़बूती से पकड़ेगी और नये युग का आरंभ करेगी ऐसी आशा है।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रमाण-संग्रहाध्याय: (दूसरा अध्याय)

गतांक से आगे...

गोस्वामी तुलसीदास जी- (23) नानापुराण निगमागमसम्मतं यद्, रामायणे निगदितं क्वचिदन्यतोऽपि स्वान्त:सुखाय तुलसी रघुनाथगाथा - भाषानिबन्धमतिमञ्जुलमातनोति।। (रामायण- बालकाण्ड का आरंभ) (24) आगम निगम प्रसिद्ध पुराण। षण्मुख जन्म कर्म जग जाना। (रामायण बाल0 दोहा 112-113) (25) शुचि सुशील सेवक सुमति, कटु प्रिय काहु न लागा । श्रुति पुराण कह नीति अस, सावधान सुनु काग।। (रामायण उत्तर0 दो0 126) (26) स्मृति पुराण सब को मत यह सतसंग सुदृढ़ धरिये । निज अभिमान मोह इरषा बस, तिन्हहिं न आदरिये।।

सूरदास जी- (27) कर्म की रेख मिटे ना सजनी वेद पुरानन गायो । सूरदास प्रभु तुम्हारे मिलन को वेद विमल जस गायो।। (राग रत्नाकर पृष्ठ 62) (28) पूरण ब्रह्म पुरान बखाने। चतुरानन शिव अन्त न जाने। (राग यत्नाकर पृष्ठ 6) (29) साख मुनिजन भरै, देव अस्तुति करें स्मृति पुराण गुण वेद गावें। (राग रत्नाकर 7) (30) अष्टादश षट् तीन चार मिली करते एक विचार। एको ब्रह्म सकल घट पूरण केवल नाम अधार।। (रांग रत्नाकर 227)

पृथ्वीराज रासो- यह हिन्दी भाषा का प्रथम ग्रन्थ है। आर्यसमाज की आदिभ संस्था परोपकारिणी सभा के मन्त्री पं0 मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या के लेखानुसार यह ग्रन्थ सं0 1120 से 1146 तक का बना हुआ है।

महाकवि चन्द्रबरदाई इसके निर्माता हैं, जो हिन्दी कविता के वाल्मीकि कहे जाते हैं। आप उक्त ग्रन्थ के आदिपर्व में लिखते हैं :- (31) ब्रह्मन्यदेव सम वासुदेव, अष्टादश पुराण तिन कहे सभेव। तिन कहों नाम परिमान व्रन्नि । जिन सुनत सुद्ध भव होत नन्नि।

क्रमश: ...

गुलामी के दौर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया था मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने

नवनीत कुमार गुप्ता

ईंट, पत्थर, लोहे और सीमेंट की इमारत बनाने वाला कोई इंजीनियर एक शिल्पकार ही माना जाता है। पर, उसकी इंजीनियरिंग में विशिष्ट तकनीकी कौशल के साथ-साथ सामाजिक सरोकार भी जुड़ जाएं तो वह महान बन जाता है। गुलामी के दौर में अपनी प्रतिभा से भारत के विकास में योगदान देने वाले सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया एक ऐसे ही युगद्रष्टा इंजीनियर थे। बहुत कम लोगों को पता होगा कि हर साल 15 सितंबर को उनकी याद में ही इंजीनियर दिवस मनाया जाता है।

एक बार सर मोक्षगुंडम रेलगाड़ी में यात्रा कर रहे थे। अचानक उन्होंने उठकर जंजीर खींच दी और रेलगाड़ी रुक गई। यात्री उन्हें भला-बुरा कहने लगे। थोड़ी देर में गार्ड भी आ गया। विश्वेश्वरैया ने स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने ही जंजीर खींची है क्योंकि यहां से कुछ दूरी पर रेल की पटरी उखड़ी हुई है। सभी हैरान रह गए कि आखिर रेल में बैठे हुए इस व्यक्ति को कैसे पता चल गया कि आगे पटरी टूटी हुई है। सर मोक्षगुंडम ने बताया कि उन्होंने रेल की गति में हुए परिवर्तन से पटरी टूटी होने का अंदाजा लगा लिया था। आखिरकार पड़ताल करने पर यह बात सही पाई गई। एक जगह रेल की पटरी के जोड़ वास्तव में खुले हुए थे। यह देखकर लोगों ने उनके बारे में जानना चाहा, तो उन्होंने बताया कि मैं एक इंजीनियर हूं और मेरा नाम डॉ. एम. विश्वेश्वरैया है।

क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि किसी बांध को ऊंचा किए बिना उसकी भंडारण क्षमता को कैसे बढ़ाया जा सकता है! विश्वेश्वरैया को पूना के पास स्थित खड़कवासला बांध की जलभंडारण क्षमता में बांध को ऊंचा किए बिना बढ़ोतरी के लिए ही पहली बार ख्याति मिली थी। दरअसल, बांधों की जल भंडारण स्तर में वृद्धि करने के लिए विश्वेश्वरैया ने स्वचालित जलद्वारों का उपयोग सर्वप्रथम पुणे से होकर बहने वाली मुठा नहर की बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए खड़कवासला बांध पर ही किया था। इन जलद्वारों को उन्होंने अपने नाम से पेटेंट कराया था।

वर्ष 1883 में इंजीनियरिंग की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण करने वाले मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का पसंदीदा विषय सिविल इंजीनियरिंग था। सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया एक कुशल प्रशासक भी थे। वर्ष 1909 में उन्हें मैसूर राज्य का मुख्य अभियंता नियुक्त किया गया। इसके साथ ही वह रेलवे सचिव भी थे। कृष्णराज सागर बांध के निर्माण के कारण मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का नाम पूरे विश्व में सबसे अधिक चर्चा में रहा था। इसका निर्माण स्वतंत्रता से करीब चालीस वर्ष पहले हुआ था। आज कृष्णराज सागर बांध से निकली 45 किलोमीटर लंबी विश्वेश्वरैया नहर एवं इस बांध से निकली अन्य नहरों से कर्नाटक के रामनगरम और कनकपुरा के अलावा मंड्या, मालवली, नागमंडला, कुनिगल और चंद्रपटना तहसीलों की करीब 1.25 लाख एकड़ भूमि में सिंचाई होती है। विद्युत उत्पादन के साथ ही मैसूर एवं बंगलूरू जैसे शहरों को पेयजल आपूर्ति करने वाला कृष्णराज सागर बांध सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के तकनीकी कौशल और प्रशासनिक योजना की सफलता की कहानी कहता है।

अहम मुद्दों पर उजागर हुई राहुल गांधी की

मृत्युंजय दीक्षित

लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका यात्रा की और वहां भारत विरोधी शक्तियों और समूहों के साथ बैठकर भारत तथा हिंदुत्व विरोधी बयान देकर उजागर कर दिया कि वे लोकसभा में नेता विरोधी दल नहीं वरन भारत विरोधी नेता हैं। मोहब्बत की दुकान का गाना गाने वाले राहुल गांधी नफरत से इतने अधिक भरे हुए हैं कि अपने पूर्वजों के अच्छे विचारों को भी तिलांजलि दे चुके हैं। अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत विमर्श भारत विरोधी, अलगाववादी, विध्वंसक तथा हिंदुत्व का अपमान करने वाला है। राहुल गाँधी की भाषा हिन्दू देवी देवताओं के प्रति अपमानजनक रही। ऐसा प्रतीत हुआ कि राहुल गांधी वास्तव में शहरी नक्सली हैं और टुकड़े-टुकड़े गैंग के निर्देशक ही उनके सलाहकार हैं।

राहुल गांधी ने अमेरिका में भारत के खिलाफ जो जहर उगला है वह उनकी चुनावी रैलियों से अनवरत चली आ बयानबाजी का विस्तार है। राहुल गांधी ने अमेरिका में एक के बाद एक कई विवादित बयान दिये हैं जिनके कारण भारत का राजनैतिक वातावरण उद्वेलित है। राहुल गांधी ने अमेरिका में चीन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वैश्विक उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है इसलिए वहां पर बेरोजगारी नहीं है जबकि भारत और अमेरिका जैसे देशों में भयंकर बेरोजगारी है। सिख समुदाय पर भी राहुल ने विवादित और घटिया बयान दिया और कहा, मेरी लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी पहनने की अनुमति दी जाएगी? या एक सिख को कड़ा पहनने की अनुमति दी जाएगी? जो राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में यह ढिंढोरा पीटते रहे अगर भाजपा 400 पार चली गयी तो वह संविधान बदल देगी आरक्षण को समाप्त कर देगी उन्हीं राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा कि जब भारत

भेदभाव रहित स्थान होगा तब कांग्रेस आरक्षण समाप्त करने पर विचार करेगी। अभी ऐसा नहीं है क्योंकि उनकी नजर में 2014 से दलितों आदिवासियों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को उचित भगीदारी नहीं मिल रही है। राहुल गांधी ने हिंदी पर भी आरोप मढ़ दिया और कह डाला कि अगर आपको लगता है कि आंध्रप्रदेश के लोग हिंदी जितने महत्वपूर्ण नहीं हैं तो यह राज्य के लोगों का अपमान है। राहुल गांधी यहीं नहीं रुके बोलते बोलते राष्ट्रीय स्वंसेवक संघ तक पहुँच गए औए कहा वे मानते हैं कि महिलाएं घर पर ही रहें, रसोई संभालें। सबसे बड़ा झूठ यह बोलकर आये हैं कि भारतीय राजनीति में प्रेम सम्मान और विनम्रता गायब है।

राहुल गांधी ने सिख समुदाय को लेकर जो विवादित बयान दिया है उससे खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुनपतवंतसिंह पन्नू बहत खुश है तथा उनका समर्थन कर रहा है, राहुल के बयानों से खालिस्तान मूवमेंट के समर्थन की बू आ रही है। भारत में पंजाब और पंजाबियत का जो हाल कांग्रेस ने किया है वह किसी से छुपा नहीं है। कौन नहीं जानता कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 3000 सिखों का जो नरसंहार हुआ, जगह जगह दंगो के दौरान सिखों की पगड़ी उतार कर फेकी गई, उनके घर और दुकानों को आग के हवाले किया गया यह सब कुछ गांधी परिवार के नियंत्रण में ही हुआ था और राहुल के पिता राजीव गांधी ने, %%बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है%% कहकर उसका बचाव किया था। कांग्रेस के ही शासनकाल में सिख राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के साथ हुआ दुर्व्यवहार पूरा देश जानता है। राहुल गांधी के बयान से भारत का राष्ट्रभक्त सिख समाज आंदोलित और आहत है।

राहुल गांधी ने अमेरिका में एक बड़ा बयान भारत के लोकतंत्र और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर भी दिया है। राहुल के अनुसार 2024 का लोकसभा चुनाव निष्पक्ष नहीं था, उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बीजेपी द्वारा नियंत्रित था। बीजेपी के पास अपार धन था, प्रशासन की ताकत थी, चुनाव आयोग का रवैया बीजेपी के पक्ष में था अगर निष्पक्ष चुनाव होते तो बीजेपी 240 सीटें जीत ही नहीं सकती थी। यहाँ राहुल गांधी संभवत: भूल गये कि चुनावों के दौरान कांग्रेस द्वारा सत्ता के दुरुप्रयोग की कहानियां भरी पड़ी हैं वो तो भला हो कि धीरे धीरे चुनाव आयोग ने सामर्थ्य दिखाना आरम्भ किया और चुनाव प्रणाली को सुदृढ़ किया।

राहुल गांधी अमेरिका में धुर भारत विरोधी नेताओं के साथ बैठक करते हैं और उनके साथ विचार विमर्श करते हैं। दुनिया भर में राष्ट्रवादी सरकारों के सबसे बड़े दुश्मन और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले जार्ज सोरोस के साथ उनके और उनकी माता जी के सम्बंध अब छुपे नहीं रह गये हैं। राहुल गांधी की सबसे अधिक विवादित मुलाकात डेमोक्रेट सांसद इल्हान उमर और प्रमिला जयपाल सहित विदेशी सरकारों के तख्ता पलट के विशेषज्ञ माने जाने वाले डोनाल्ड ब्लू से होती है जो बताती है कि राहुल गांधी के इरादे खतरनाक ही नहीं बहुत ही खतरनाक हैं।

राहुल गांधी प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते अब देश का ही विरोध करने पर उतारू हो गये हैं। विश्लेषकों का अनुमान है राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा और उनकी बयानबाजी उन्हें ही भारी पड़ने वाली है जिसमें एक अहम मुद्दा आरक्षण का है। राहुल गांधी के आरक्षण समाप्त करने वाले बयान को बसपा नेत्री मायावती ने लपक लिया है और अब वह उसी को हथियार बनाकर हरियाणा व जम्मू कश्मीर सहित आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पर हमला करने जा रही हैं।

आश्चर्यजनक रूप से राहुल गांधी भारत के शत्रु देशों चीन और पाकिस्तान की निंदा नहीं करते, वह सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद का विरोध नहीं करते। राहुल गांधी का स्पष्ट विचार है कि 1947 से पहले भारत का अस्तित्व ही नहीं था। राहुल गांधी अमेरिका में जिस संगठन की ओर से कार्यक्रम आयोजित करते हैं वह सभी जार्ज सोरोस द्वारा पोषित संस्थाएं हैं। साफ है कि राहुल गांधी देश में अराजकता चाहते हैं। जब राहुल गांधी अमेरिका गये तब भारत में सुनियोजित तरीके से एक ही पैटर्न पर गणेशोत्सव पर हमले किये गये। राहुल गांधी अमेरिका में भाजपा व संघ की तुलना तालिबान से करते हुए हिंदुत्व पर प्रहार करते हैं।

राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं के दौरान हमेशा ही भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के लिए खाद, पानी उपलब्ध कराते रहते हैं। राहुल गांधी जिस प्रकार चीन और पाकिस्तान की प्रशंसा के पुल बांधते हैं उससे एक बड़ा संदेह और भय पैदा होना स्वाभविक है। उनके मन में हिंदू और हिंदुत्व की विचारधारा के प्रति जिस प्रकार की नफरत भरी हुई है वो बहुसंख्यक समाज के लिए चिंता का विषय है।

आज का इतिहास

1762 सिग्नल हिल की लड़ाई : ब्रिटिश सैनिकों ने फ्रांसीसी को हराया।
1821 मध्य अमेरिकी देश कोस्टारिका, एल सल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास तथा निकारागुआ को स्वतंत्रता मिली।
1830 लिवरपूल और मैनचेस्टर रेलवे ने दो प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए पहले लोकोमोटिव-हॉल्ट रेलवे को खोला।
1830 इंग्लैंड के व्यक्ति विलियम हुस्कीसोन रेल हादसे में मरने वाले पहले यात्री थे।
1831 जॉन बुल दुनिया का सबसे पुराना संचालक स्टीम लोकोमोटिव है, जो पहली बार न्यू जर्सी में कैमडेन और ऑम्ब्रे रेल पर चला।
1846 नेपाल पर जंग बहादुर राणा ने कब्जा कर लिया।
1851 सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय फिलाडेल्फिया में स्थापित किया गया।
1862 अमेरिकन सिविल वॉर-कॉफेडरेट बलों ने 12,000 से अधिक कैदियों को ले कर वर्जीनिया के हार्पर्स फेरी में यूनियनगैरिसन पर कब्जा कर लिया।
1883 ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए खोला गया।
1894 जापान ने आज के दिन ही प्योंगयांग की लड़ाई में चीन को करारी मात दी थी।
1896 क्रश ट्रेन मलबे पर स्टंट पर क्रैश टेक्सास में आयोजित किया गया।
1916 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान पहली बार सोम्मे की लड़ाई में टैंक का इस्तेमाल किया गया।
1916 इतिहास में पहली बार 40 आदिम टैंकों का उपयोग करते हुए, अंग्रेजों ने सोम्मे की लड़ाई में जर्मनों के खिलाफ एक बड़ा हमला किया।
1916 टैंक, पहले विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना के गुप्त हथियार का इस्तेमाल पहली बार फ्रांस के सोम्मे इनमोमी, पिकार्डी की लड़ाई में किया गया था, जिससे सामरिक मित्र देशों की जीत हुई थी।
1935 नाजी जर्मनी ने नूर्नबर्ग कानून लागू किया, जिसने जर्मनज्यूज़ को नागरिकता से वंचित कर दिया, और अश्वस्तिका के साथ एक नए राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया।
1944 अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई सेना मोरोतई के युद्ध की शुरुआत करते हुए, जापान के कब्जे वाले मोरोटाई पर उतरे।

केजरीवाल गए थे जेल दिल्ली के सीएम बनकर, बाहर आप के संयोजक बनकर निकले

अभिनय आकाश

अरविंद केजरीवाल जब आंदोलन किया करते थे तो उनका फेवरेट डॉयलाग हुआ करता था कि सारे चोर-उच्चके और भ्रष्टाचारी बेल लेकर बाहर घूम रहे हैं। ये कैसा सिस्टम है? बीजेपी पूछ रही है कि आज क्या उसी लिस्ट में क्या उनका नाम भी शामिल हो गया है? दिल्ली के कथित शराब नीति घोटाले मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। इससे पहले उन्हें ईडी वाले केस में जमानत मिल गई थी। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में दो तरह के केस हैं। पहला मामला मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट का था, जिसमें पीएमएलए एक्ट के तहत केजरीवाल पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मामले में उन्हें पहले ही जमानत मिल गई थी। अब इस नीति को बनाने में भ्रष्टाचार हुआ है, इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इस मामले में भी अब अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई है। अब जमानत मिली तो उस दौरान कोर्ट रूम में क्या क्या बातें हुई और क्या क्या चीजें निकलकर आईं। केजरीवाल को जमानत पर किन शर्तों का सामना करना पड़ेगा। आगामी चुनावों के मद्देनजर केजरीवाल के सामने क्या बड़ी चुनौती होंगी, दिल्ली में राष्ट्रपति शासन की सुगबुगाहट पर पूर्ण विराम लग जाएगा? तमाम मुद्दों का आज एमआरआई स्कैन करेंगे। इसके साथ ही आपको शराब नीति घोटाले की पूरी टाइमलाइन से भी अवगत कराएंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी। शीर्ष अदालत ने केजरीवाल को मामले के संबंध में सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति भुइयां ने केजरीवाल को नियमित जमानत देने के संबंध में न्यायमूर्ति सूर्यकांत से सहमति जताई। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि अपीलकर्ता की गिरफ्तारी अवैध नहीं थी और जांच के उद्देश्य से किसी ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार करने में कोई बाधा प्रतीत नहीं होती, जो पहले से ही किसी अन्य मामले में हिरासत में हो।

लेकिन एक बात को साफ है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री बाहर नहीं आएं हैं। आम आदमी पार्टी का कन्वेंनर बाहर आया है। सिसोदिया का दोस्त बाहर आएं हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि आम आदमी पार्टी के लिए राहत जरूर है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका भी दिया है। कई शर्तों के साथ केजरीवाल को जमानत मिली है। ईडी केस में मिली जमानत पर जो शर्तें लगाई गई थी वही अब सीबीआई केस में भी अरविंद केजरीवाल के लिए लगाई गई है। यानी केजरीवाल को बेल तो मिल गई है लेकिन न ही वो अपने दफ्तर जा पाएंगे, न सचिवालय जा पाएंगे। पूरे केस पर कोई टिप्पणी भी नहीं कर पाएंगे।

केजरीवाल को जमानत पर किन शर्तों का करना पड़ेगा सामना

सीएम केजरीवाल मुख्यमंत्री ऑफिस और दिल्ली सचिवालय नहीं जाएंगे। दिल्ली के सीएम अपनी ओर से दिए गए इस कथन से बाध्य हैं कि वह सरकारी फाइलों पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे जब तक कि ऐसा करना आवश्यक न हो और दिल्ली के उपराज्यपाल की मंजूरी/अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवश्यक हो। वर्तमान मामले में अपनी भूमिका के संबंध में कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेंगे। किसी भी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और/या मामले से जुड़ी किसी भी आधिकारिक फाइल तक पहुंच नहीं रखेंगे। जरूरत पड़ने पर ट्रायल कोर्ट में पेश होंगे और जांच में सहयोग करेंगे।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने

सोमवार को कहा कि संविधान के कथित उल्लंघन के लिए आप नीत सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर 30 अगस्त को भाजपा विधायकों द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा गया ज्ञापन गृह मंत्रालय को भेज दिया गया था। ज्ञापन में कहा गया था कि दिल्ली संवैधानिक संकट का सामना कर रही है। राष्ट्रपति ने इस मांग पत्र को केंद्रीय गृह सचिव के पास विचार के लिए भेजा है। लेकिन केजरीवाल के बाहर आने के बाद बीजेपी के सारे किए कराए पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां की पीठ ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां की बेंच ने सीबीआई की गिरफ्तारी को नियमों के तहत बताया। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि अगर कोई व्यक्ति पहले से हिरासत में है और जांच के सिलसिले में उसे दोबारा अरेस्ट करना गलत नहीं है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि वह ईडी मामले में रिहाई के समय केजरीवाल को गिरफ्तार करने को लेकर सीबीआई की जल्दबाजी को समझ नहीं पाए हैं, जबकि उसने 22 महीने तक ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि सीबीआई केजरीवाल के गोलमोल जवाबों का हवाला देते हुए उनकी गिरफ्तारी और लगातार हिरासत में रखे जाने को उचित नहीं ठहरा सकती।

मार्च में गिरफ़्तारी, सितम्बर में रिहाई, आबकारी नीति मामले की पूरी टाइमलाइन

नवंबर 2021: दिल्ली सरकार ने नई आबकारी नीति पेश की।

जुलाई 2022: उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने नीति बनाने और लागू करने में कथित अनियमितताओं के मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की।

अगस्त 2022: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित अनियमितताओं के संबंध में मामले दर्ज किए।

सितंबर 2022: दिल्ली सरकार ने आबकारी नीति को रद्द कर दिया।

अक्टूबर 2023 से मार्च 2024: ईडी ने धन शोधन मामले के संबंध में केजरीवाल को नौ समन जारी किए।

21 मार्च, 2024: दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें जारी किए गए समन को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान करने से इनकार कर दिया। इसके तुरंत बाद ईडी ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता को गिरफ्तार कर लिया।

10 मई: सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए एक जून तक अंतरिम जमानत दी और कहा कि उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करना होगा और वापस जेल जाना होगा।

20 जून: निचली अदालत ने केजरीवाल को नियमित जमानत दी।

21 जून: ईडी ने निचली अदालत के जमानत आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। हाई कोर्ट ने एजेंसी की याचिका पर नोटिस जारी किया, स्थगन के मुद्दे पर घोषणा होने तक जमानत आदेश को स्थगित कर दिया।

25 जून: सुप्रीम कोर्ट ने धन शोधन मामले में निचली अदालत द्वारा केजरीवाल को दी गई जमानत पर रोक लगा दी।

26 जून: सीबीआई ने आबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में केजरीवाल को औपचारिक रूप से जेल से गिरफ्तार किया।

17 मई: सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा।

12 जुलाई: सुप्रीम कोर्ट ने कथित आबकारी नीति 'घोटाले' में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी। लेकिन कहा गया कि सीबीआई मामले में वह जेल में ही रहेंगे।

17 जुलाई: केजरीवाल ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई द्वारा अपनी गिरफ्तारी को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

5 अगस्त: दिल्ली उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा।

12 अगस्त: केजरीवाल ने भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया।

14 अगस्त: सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी नीति घोटाला मामले में गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया।

5 सितंबर: सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा।

11 सितंबर: दिल्ली की अदालत ने आबकारी घोटाला मामले में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 सितंबर तक बढ़ा दी।

13 सितंबर: सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देते हुए कहा कि लंबे समय तक जेल में रखना स्वतंत्रता से अन्यायपूर्ण तरीके से वंचित रखना है।

संघ प्रमुख ने दिया धर्म की व्यापक अवधारणा पर जोर

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विद्वान सरसंघचालक मोहन भागवत ने धर्म को लेकर अपने विचारों को विभिन्न अवसरों पर इतनी साफगोई और स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया है कि आप उनमें असहमति की कोई गुंजाइश नहीं खोज सकते। हाल में ही उन्होंने मिलिंद पराड़कर द्वारा लिखित एक शोध पूर्ण ग्रंथ तंजावरचे मराठे के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से धर्म को जिस तरह परिभाषित किया उससे समारोह में मौजूद श्रोता मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह सके। भागवत ने कहा कि धर्म का अर्थ केवल पूजा पाठ नहीं है बल्कि धर्म तो एक व्यापक अवधारणा है जिसमें सत्य, करुणा और तपश्चर्या (समर्पण) सम्मिलित हैं। अपने भाषण में भागवत ने हिंदू शब्द को एक विशेषण बताया जो विविधताओं को स्वीकार करने का प्रतीक है। यह

वसुधैव कुटुम्बकं के विचार को आगे बढ़ाने के लिए आया। भागवत ने कहा कि धर्म सृष्टि के आरंभ में था और सदैव उसकी आवश्यकता रहेगी। कुछ तत्व हैं जो वैश्विक मंच पर भारत के उदय से भयभीत हैं। वे नहीं चाहते कि भारत आगे बढ़े इसलिए इसके मार्ग में बाधा खड़ी कर रहे हैं परन्तु उनसे डरने की जरूरत नहीं है। छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में भी यही स्थिति थी तब धर्म की शक्ति का प्रयोग करके उन ताकतों से निपटा गया था। मोहन भागवत ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा कि अतीत में भारत पर बाहरी आक्रमण बड़े पैमाने पर होते थे इसलिए लोग सतर्क रहते थे परन्तु अब ये आक्रमण विभिन्न रूपों में हो रहे हैं। भागवत ने भगवान राम के हाथों ताड़का वध और भगवान कृष्ण के द्वारा पूतना वध की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पूतना मौसी बनकर कृष्ण को स्तन पान कराने आई थी परन्तु कृष्ण ने उसका अंत कर दिया। संघ प्रमुख ने कहा कि जिन लोगों को इस बात से डर लगता है कि भारत की प्रगति से उनके कारोबार बंद हो जाएंगे ऐसे तत्व भारत की प्रगति के मार्ग में बाधाएं पैदा करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से हमले कर रहे हैं चाहे वे शारीरिक हों तो अदृश्य लेकिन उनसे डरने की जरूरत नहीं है। उनके प्रयास सफल नहीं होंगे। शिवाजी के समय में भी यही स्थिति थी।जब भारत के उत्थान की कोई उम्मीद नहीं थी। संघ प्रमुख ने जीवनी शक्ति को राष्ट्र का आधार बताते हुए कहा कि यह धर्म पर आधारित है जो सदैव रहेगा। संघ प्रमुख ने भारत को बहुत भाग्यशाली और धन्य देश बताते हुए कहा कि महापुरुषों और संतों के आशीर्वाद से अमर हुआ है। इसीलिए थोड़ा बहुत भटकने के बाद यह पटरी पर आ गया है। यह ईश्वरीय वरदान हमें विशेष उद्देश्य के लिए मिला है क्योंकि ईश्वर ने हमें बहुत जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

दिल्ली में केजरीवाल को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में भाजपा

नीरज कुमार दुबे

दिल्ली में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों को जीतने के लिए भाजपा ने जीजान लगा रखा है। दिल्ली भाजपा आम आदमी पार्टी को विभिन्न मुद्दों पर घेरने के अलावा जनहित के मुद्दों को जिस प्रखरता से उठा रही है वह दर्शा रहा है कि पार्टी चुनावी तैयारियों में किसी तरह की ढील नहीं देना चाहती। हम आपको बता दें कि भाजपा ने 1993 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली में जीत हासिल की थी और 1998 में सरकार का कार्यकाल पूरा होने के बाद भाजपा ने दिल्ली की सत्ता में अब तक वापसी नहीं की है। भाजपा ने 1993 का विधानसभा चुनाव मदन लाल खुराना को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर लड़ा था। उसके बाद पार्टी ने 1998 में सुषमा स्वराज, फिर विजय कुमार मल्होत्रा तथा बाद में डॉ. हर्षवर्धन और किरण बेदी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया लेकिन जीत हासिल नहीं हुई।

दिल्ली में भाजपा की सत्ता जाने के बाद 15 साल कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार रही फिर कुछ समय राष्ट्रपति शासन रहा तथा उसके बाद से आम आदमी पार्टी की अरविंद केजरीवाल की सरकार सत्ता में है। इस बार भाजपा को विश्वास है कि वह आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर कर देगी। हम आपको बता दें कि भाजपा के इस विश्वास का आधार पिछले दो चुनावों के नतीजे हैं। दिल्ली नगर निगम चुनाव में भाजपा की जिस करारी हार की उम्मीद की जा रही थी वैसी हार नहीं हुई थी। आम आदमी पार्टी और भाजपा के पार्षदों की संख्या में मामूली-सा ही अंतर रहा था। इसके अलावा, हालिया लोकसभा चुनावों में भाजपा ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को सभी सातों सीटों पर मात दी थी। अब भाजपा का प्रयास है कि योजनाबद्ध तरीके से पार्टी के प्रचार का काम आगे बढ़ाया जाये। लेकिन भाजपा को इस बात की कमी खटक रही है कि उसके पास अरविंद केजरीवाल के कद का कोई नेता नहीं है। भाजपा को इस बात की कमी खटक रही है कि उसके पास कोई ऐसा चेहरा नहीं है जिसके नेतृत्व में दिल्ली

की जनता एकजुट हो सके। इसलिए पार्टी ने काफी मंथन कर एक नाम खोज निकाला है। हम आपको बता दें कि बताया जा रहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और अमेठी से राहुल गांधी को चुनाव हरा चुकीं स्मृति ईरानी भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार बनाई जा सकती हैं। दरअसल, दिल्ली में भाजपा का बड़ा आधार महिला वोट बैंक है और स्मृति ईरानी की महिलाओं के बीच अच्छी पैठ है इसको देखते हुए उनके नाम पर आने वाले दिनों में मुहर लगाई जा सकती है।

हम आपको बता दें कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गतिविधियों में अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी की बढ़ती भागीदारी से अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय राजधानी की राजनीति में उनकी संभावित ''भूमिका'' को लेकर पार्टी की स्थानीय इकाई में हलचल बढ़ गई है। दिल्ली में जन्मी और यहीं पर पली-बढ़ी पूर्व केंद्रीय मंत्री राजधानी में पार्टी के सदस्यता अभियान से संबंधित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल होती नजर आ रही हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि उन्हें दिल्ली में 14 जिला इकाइयों में से सात में सदस्यता अभियान की ''देखरेख'' का जिम्मा सौंपा गया है। हालांकि पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने यह भी दावा किया कि ईरानी ने दक्षिण दिल्ली में एक घर खरीदा है जो राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी की गतिविधियों में उनकी आगे की बढ़ती भागीदारी का संकेत देता है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''ये घटनाक्रम ऐसे समय में देखने को मिल रहा है जब पार्टी नेताओं का एक वर्ग ऐसे चेहरे को आगे लाने पर जोर दे रहा है जो दिल्ली विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) को कड़ी टक्कर दे सके।'' हम आपको बता दें कि भाजपा ने 2020 के विधानसभा चुनावों में किसी नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा कि पार्टी 70 में से आठ सीट जीतने में सफल रही, जबकि आप ने बाकी सीट पर जीत दर्ज की।

भाजपा की दिल्ली इकाई के एक अन्य शीर्ष नेता ने कहा कि अगर आने वाले हफ्तों में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के साथ चुनाव लड़ने का विचार जोर पकड़ता है तो स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त नेता को लेकर सवाल खड़ा होगा। उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थिति में, ईरानी के साथ-साथ सांसद मनोज तिवारी और बांसुरी स्वराज, भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पश्चिम दिल्ली के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा जैसे अन्य नेता इस भूमिका के लिए संभावित दावेदार हो सकते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि एक नेता के पीछे पूरी पार्टी का एकजुट होना ''एकता'' का संदेश देगा और प्रचार को भी मजबूती देगा।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा ने 2015 के विधानसभा चुनावों में किरण बेदी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर चुनाव लड़ा था, लेकिन इन चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन काफी खराब रहा था। कुछ नेताओं का मानना है कि चुनावों के लिए सिर्फ एक ही चेहरे को आगे रखने का विचार सही नहीं था। हालांकि इस पर पार्टी में बहस अभी भी जारी है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय नेतृत्व इस मामले से अवगत है और बाद में इस पर फैसला ले सकता है। पार्टी नेताओं का कहना है कि आबकारी नीति मामले में तिहाड़ जेल में बंद आप प्रमुख केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित करने को लेकर चर्चा तेज हो सकती है।

चेहरा नहीं चला तो अब अपमान का बदला!

अभिषेक श्रीवास्तव

भारतीय लोकतंत्र में एक बात तय है कि किसी एक चुनाव को जीतने के लिए तैयार किया गया फार्मूला दूसरी बार नहीं चलता है। महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी पिछले कुछ माह से चुनाव जीतने की तरकीब ढूंढ़ने की जुगत में है। लोकसभा चुनाव परिणामों में अप्रत्याशित सफलता मिलने के बाद आघाड़ी में शामिल हर दल की महत्वाकांक्षा बढ़ गई है और वह राज्य की सत्ता का नेतृत्व करना चाहता है। एक तरफ जहां शिवसेना का उद्धव गुट अपना भगवा चेहरा छोड़ उदारवादी बनकर गठबंधन में साथ है, तो कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) को लगता है कि वे दोनों दल ही आघाड़ी में तालमेल के आधार हैं और उनके मतों के चलते बीते आम चुनावों में सफलता मिली है।

तीनों में राकांपा नेता शरद पवार को अपने अनुभव से मालूम है कि सत्ता की बागडोर सहानुभूति से नहीं, बल्कि संख्या बल से मिलती है। इसलिए वह कोई बड़ी बात कहने से बच रहे हैं, लेकिन बाकी दोनों दलों को यह चुनाव एक स्वर्णिम अवसर प्रतीत हो रहा है। हालांकि नए उम्मीदवारों से लेकर आपसी मतविभाजन कितना होगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं है।

ढाई साल तक राज्य की सत्ता को संभालने के बाद जब शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की सरकार गिराकर एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने आघाड़ी के किसी दूसरे नेता पर सीधा प्रहार नहीं किया। वे हर मंच से ठाकरे पर हमला बोलते आए। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में शिवसेना प्रमुख के कार्यकाल की लगातार आलोचना की। साथ ही साथ खुद को शिवसेना पार्टी का पूर्व सदस्य बताकर मुख्यमंत्री के रूप में अपने कामकाज को पूरी तरह

से बदल कर दिखाया। जब ठाकरे की मुख्यमंत्री के रूप में कार्य पद्धति पर हमले हुए तो शिवसेना ने पीछे न हटते हुए आगे बढ़कर जवाबी हमले किए। उन्होंने ठाकरे को ढाई साल का एक अच्छा मुख्यमंत्री बताया और इसी विचार को आगे ले जाने की कोशिश की, जिसमें उन्होंने ठाकरे को आघाड़ी के मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने की भरपूर कोशिश की। प्रयास यहां तक भी हुए कि स्वयं उद्धव ठाकरे अपने बेटे आदित्य ठाकरे और प्रवक्ता संजय राऊत के साथ तीन दिन तक दिल्ली में डेरा जमाए बैठे रहे। मगर कांग्रेस से लेकर आम आदमी पार्टी (आप) तक ने उन्हें किसी प्रकार का समर्थन नहीं दिया। उनकी आखिरी उम्मीद राकांपा नेता शरद पवार थे, जिन्होंने राजनीतिक परिपक्वता का परिचय देकर मामले को चुनाव के बाद की चर्चा के लिए छोड़ दिया।

इसके साथ उन्होंने अपनी पार्टी का पक्ष साफ कर गेंद कांग्रेस के पाले में छोड़ दी, जिसके प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले 288 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा बता कर सत्ता अपने पास रखने का संकेत दे रहे थे। किंतु उन्हें भी दिल्ली से आलाकमान ने झटका देकर सीधा किया और सारा मामला चुनाव परिणामों के बाद के विचार के लिए रख दिया। गठबंधन के दोनों दलों की स्थितियां साफ हो जाने के बाद शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट खासी दुविधा में फंस गया। उसकी परंपरा एक चेहरे पर चुनाव लड़ना है, जो पार्टी प्रमुख का होता है। अब यह चुनाव चेहरा विहीन हो चला है।

दरअसल शिवसेना टूटने के बाद ज्यादातर विधायक शिंदे गुट के साथ हैं। आम तौर पर वही पार्टी की पहचान और दबदबा कायम रखते थे। पार्टी में टूट के बाद उद्धव गुट के पास मात्र 15 विधायक माने गए। इस परिस्थिति में अनेक नए चेहरों को अवसर देना पार्टी की मजबूरी है। बीते सालों में शिवसेना किसी भी नए उम्मीदवार को बालासाहब ठाकरे के नाम पर चुनाव जिता लेती थी, किंतु टूट-फूट के बाद अब पुरानी स्थितियां नहीं रह गई हैं। यदि उद्धव ठाकरे के नाम पर चुनाव लड़ा जाता तो नए उम्मीदवारों को लाभ मिल सकता था। किंतु वर्तमान में केवल महाविकास आघाड़ी के नाम पर चुनाव जीत पाना आसान नहीं है। लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने, आरक्षण खत्म करने, धर्मनिरपेक्ष मतों को एकजुट करने, मराठा आरक्षण आंदोलन के नाम पर एक सरकार विरोधी फार्मूला तैयार हो गया था, जिससे सफलता मिल गई। किंतु विधानसभा चुनाव में इन्हें दोहरा कर जीत हासिल करना आसान प्रतीत नहीं हो रहा है।

सत्ताधारी महागठबंधन ने भी पराजय से सबक लेकर अनेक सरकारी योजनाओं और मतों के ध्रुवीकरण जैसे उपाय किए हैं, जिनसे विपक्ष का पिछली बार की तरह मुकाबला करना सरल नहीं है। इस परिस्थिति में आखिरी तीर सहानुभूति का रह जाता है, जो चल गया तो बहुत दूर तक जाता है। आघाड़ी में उद्धव ठाकरे और शरद पवार दोनों ही नेता सहजता से लोगों की सद्?भावना पाने के लिए तैयार हैं। किंतु लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा का मतदाता क्षेत्र व्यापक न होकर छोटे-छोटे इलाकों में बिखरा हुआ होता है। वहां पर समय, परिस्थिति, आवश्यकता और व्यक्ति के साथ राजनीतिक समीकरण बदल जाते हैं। ऐसे में उम्मीदवारों का चयन और उनकी अपने क्षेत्र पर पकड़ महत्वपूर्ण साबित होती है।

आधी शक्ति तो रूठों को मनाने में लग जाती है

मोहन लाल

दुर्भाग्य ही कहेंगे कि क्षेत्रीय दलों और राष्ट्रीय दलों को पराए दलों से लडऩे की बजाय अपनों को मनाने में अधिक शक्ति लगानी पड़ती है। हाल ही में मैंने शिरोमणि अकाली दल (बादल) को बिखरते देखा, हरियाणा में ओम प्रकाश चौटाला को चौ. देवी लाल के परिवार और उसके द्वारा चलाए जा रहे राजनीतिक दल को तार-तार होते देखा। जम्मू-कश्मीर में भूतपूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के पी.डी.पी. दल को महबूबा ने अपनी आंखों के सामने आपस में भिड़ते देखा, तमिलनाडु में द्रमुक के कई हिस्से हो गए। 'आप' आपसी संघर्ष में उलझी हुई है, कांग्रेस जो आल इंडिया राजनीतिक दल है आंतरिक उलझनों से उलझ रहा है। 1977 में बनी जनता पार्टी आंतरिक विरोधों के कारण 1980 में ही टूट गई। जनता दल, लोकदल जाने कहां खो गए? सभी राजनीतिक दल अपनों से ही उलझ कर मर-खप रहे हैं। अंतर्कलह से कोई भी राजनीतिक दल मुक्त नहीं।

'पार्टी विद-ए-डिफरैंस' यानी अनुशासित दल भारतीय जनता पार्टी भी इस अंतर्कलह से अछूती नहीं है। यह बात हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में होने जा रहे विधानसभा चुनावों ने सिद्ध कर दिखाई। टिकट वितरण लिस्टों को बदलना पड़ा। सब दलों में एक अराजकता-सी फैली हुई है। यह अंतर्कलह किसी सिद्धांत के लिए नहीं अपितु अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के कारण है। प्रत्येक नेता सत्ता के लिए लड़ रहा है। त्याग की भावना तो किसी राजनीतिक दल में दिखाई ही नहीं देती। सत्ता, निजी महत्व सब राजनेताओं पर हावी है। कुछ भी राजनीति में स्थिर नहीं। भागमभाग मची हुई है। चलो आज सिर्फ भारतीय जनता पार्टी पर ही एक बार बात करते हैं। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भाजपा गुटों में बंटी दिखी। इसके कई नेता टिकट छिन जाने से मायूस और सोशल मीडिया में रोते दिखाई दिए। कई स्थानों पर मोदी भय ने अंतर्कलह को दबा दिया तो कहीं चाणक्य नीति की ललकार से ऐसे नेता डर गए। कई भाजपा नेता बलशाली थे उन्होंने दूसरी पार्टियों को अपना लिया। लोकतंत्र में गुटबंदी और अंतर्कलह राजनीतिक दलों के प्रभाव को कम करती जा रही है परन्तु ऐसा तो हर चुनाव में होगा ही। फिर भारतीय जनता पार्टी भला इस गुटबंदी से अछूत कैसे रह सकती है। भारतीय जनता पार्टी ने स्वयं बोली लगा रखी है। अपना दल छोड़ो इसके एवज में टिकट ले लो। भाजपा का वर्तमान में एक ही लक्ष्य है उम्मीदवार की 'विनएबिल्टी' उसके लिए 20 अन्य योग्य, निष्ठावान, विश्वसनीय पुराने कार्यकर्त्ता की राजनीतिक बलि भी देनी पड़े तो भी भाजपा को चिंता नहीं। ऐसे में पार्टी के भीतर अंतर्कलह तो रहेगी ही न? चाहे थोड़े समय के लिए यह अंतर्कलह दब जाएं परन्तु कभी तो यह लावा फूटेगा ही? आज तो मोदी और अमित शाह का सिक्का चल रहा है। कल की राम जाने। हां, यह सत्य है कि टिकट वितरण के बाद अंतर्कलह उभरती तो जरूर है। मोदी-अमित शाह की जोड़ी की चुनाव संरचना ही ऐसी है कि हमें चुनाव जीतना है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अन्य दलों से भिन्न है। राजनीति में विशेष रुचि रखने वाले भली-भांति जानते हैं कि 1950-51 में जब जनसंघ का जन्म हुआ और फिर 1977 में जनसंघ का 'दीपक' गुल कर जनता पार्टी में विलय कर दिया था और फिर एक नए राजनीतिक दल का गठन 1980 में कर लिया, तब से अब तक भारतीय जनता पार्टी में 4 ही नेता हमें दिखाई दिए। अटल-अडवानी, मोदी-अमित शाह या अधिक हुआ तो पांचवां नेता मुरली मनोहर जोशी ही दिखाई दिए। छठा माई का लाल कोई ध्यान में ही नहीं आता। भाजपा व्यक्ति विशेष के लिए राजनीति नहीं करती अपितु 'कोलैटिव-लीडरशिप' में विश्वास करती है। केवल नरेंद्र मोदी ही एक अपवाद हैं। संघ पीछे हटा तो अडवानी जी राजनीतिक वनवास में चले गए। मुरली मनोहर जोशी एक प्रख्यात प्रोफैसर थे अत: विवाद से बचे रहे परन्तु उन पर 75 साल का दंश लग गया। अत: आराम से बैठ गए। आज सिर्फ पार्टी में सर्वेसर्वा या मोदी है या अमित शाह। जनसंघ ने जिस जनता पार्टी के लिए अपना दीपक बुझा दिया उसी जनता पार्टी ने एक प्रस्ताव पारित कर जनता पार्टी का कोई भी सांसद, कोई भी पदाधिकारी या विधायक राष्ट्रीय स्वयं संघ की कार्यविधियों में हिस्सा नहीं ले सकता। अत: 1980 में जनसंघ जनता पार्टी से अलग हो गया।

गे की भूमिका में शाहरुख को पहचानना मुश्किल

आपको जानकर हैरानी होगी कि बालीवुड एक्टर शाहरुख खान ने असल में हिंदी से नहीं, बल्कि अंग्रेजी भाषा में बनी एक फिल्म से अपने सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। सोशल मीडिया पर शाहरुख खान का एक पुराना वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें किंग खान एक समलैंगिक किरदार में नजर आ रहे हैं। ये फिल्म एक आदर्शवादी छात्र आनंद ग्रोवर/एनी की कहानी है, जो पढ़ाई करने के बजाय भारत की समस्याओं के लिए काल्पनिक समाधान के बारे में सोचना पसंद करता है। यहां तक कि अरुंधति को भी आनंद की प्रेमिका बोहेमियन राधा की भूमिका में दिखाया गया है। इसमें रोशन सेठ, ऋतुराज सिंह और चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मनोज बाजपेयी भी नजर आए थे। अरुंधति के एक्स हसबैंड प्रदीप किशन द्वारा निर्देशित इन विच ऐनी गिव्स इट टू दोज वन्स को दो राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। एक इसकी स्क्रीन प्ले के लिए जो रॉय को मिला और दूसरा सर्वश्रेष्ठ इंग्लिश फीचर फिल्म के लिए जो प्रदीप को मिला। यह फिल्म 1989 में रिलीज हुई थी। इसमें दिल्ली में 1970 के दशक के अंत में छात्र जीवन की झलक मिलती है। वैसे शाहरुख ने मनोरंजन की दुनिया में इससे एक साल पहले ही कदम रख दिया था। फेमस टीवी सीरियल फौजी से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वे कई अन्य टीवी सीरियल में दिखें जिसमें उम्मीद और वागले की दुनिया और अजीज मिर्जा की सर्कस शामिल है। आज, शाहरुख खान दुनिया के सबसे बड़े फिल्म सितारों में से एक हैं और सबसे अमीर भी। एक्टिंग से अलग उनके प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और उनकी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स जैसे कई व्यवसायों से उनकी कमाई और बढ़ जाती है। शाहरुख खान जल्द किंग में दिखाई देंगे, जिसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी होंगी। बता दें कि बॉलीवुड के मशहूर एक्टर शाहरुख खान ने हिंदी सिनेमा में बहुत ही साधारण तरीके से शुरुआत की थी। लेकिन छोटी-मोटी भूमिकाओं से आगाज करने वाला ये एक्टर आज बॉलीवुड का बादशाह है। मौजूदा दौर में जिस एक्टर के सितारे चमक रहे है उसके जीवन में एक समय ऐसा था, जब किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करने में उसने गुरेज नहीं किया।

विक्रांत मैसी ने सेक्टर 36 में लिया बिल्कुल अलग चैलेंज

फिल्म 12वीं फेल में अपने अभिनय की छाप छोडने वाले बालीवुड एक्टर विक्रांत मैसी ने सेक्टर 36 के साथ एक बिल्कुल अलग चैलेंज लिया है, जो एक सच्ची कहानी से इंस्पायर एक काल्पनिक क्राइम थ्रिलर है। मैडॉक फिल्म्स के द्वार प्रोड्यूस और आदित्य निंबालकर के द्वार डायरेक्ट किया गया, सेक्टर 36 एक स्लम में, सेक्टर 36 से, कई बच्चों के गायब होने की रहस्यमयी कहानी है। एक इंस्पायरिंग बायोग्राफी से एक टेंस्ड और सस्पेंस से भरे थ्रिलर में उनका बदलाव विक्रांत की वर्सेटलिटी और अलग-अलग रोल को अपनाने की उनके डेडीकेशन को दिखाता है, जो उनकी पहले से ही शानदार करियर में एक बोल्ड और नए डायरेक्शन की निशानी है। सेक्टर 36 का ट्रेलर विक्रांत के किरदार की एक झलक दिखाता है, जो फैंस को उत्साहित करता है। फिल्म में विक्रांत एक सीरियल किलर का रोल निभाने वाले हैं, जिसमें हमने विक्रांत को पहले कभी नहीं देखा है। जैसे-जैसे उत्साह बढ़ता जा रहा है, फैंस यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि विक्रांत अपने करियर के इस नए चैप्टर को कैसे संभालेंगे। अपने टेलेंट और वर्सेटलिटी के साथ, वे इस इंटेंस क्राइम थ्रिलर में अपने अनोखे स्टाइल को जोड़ने और अपनी उपलब्धियों की जबरदस्त लिस्ट में एक और शानदार परफॉर्मेंस जोड़ने जा रहे हैं। सेक्टर 36 का पहला गाना डमरू कल रिलीज़ किया गया है। इसमें फ़िल्म के कुछ सीन्स और क्लिप शामिल हैं। विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल स्टारर यह फ़िल्म 13 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर अवेलेबल होगी। मालूम हो कि 12वीं फेल में विक्रांत ने मनोज कुमार शर्मा के रोल में अपनी छाप छोड़ी, जो एक प्रेरणादायक कहानी थी और इस तरह से इसने दर्शकों के साथ गहरा कनेक्शन बनाया। फिल्म में एक ऐसे इंसान के संघर्ष और सफलता को दिखाया गया है, जो अपने सपनों को हासिल करने के लिए चुनौतियों का सामना करता है। विक्रांत के डिटेल्ड परफॉर्मेंस ने किरदार में इमोशनल गहराई जोड़ दी है, जिसने उन्हें इंडस्ट्री के सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक के रूप में स्थापित किया है। इस साल के शुरू में, एक्टर ने फिर आई हसी दिलरुबा में रिशु का रोल अदा किया है। इस रोल में, वो एक ऐसा पति के किरदार में हैं, जो अपनी पत्नी से बेहद प्यार करता है और उसके लिए कुछ भी कर सकता है। ये किरदार दिखाता है कि विक्रांत कैसे अलग-अलग और डाइवर्स किरदारों को चुनते हैं और हमेशा अपनी भूमिकाओं को गहरा और कई लेयर के साथ उन्हे निभाया करते हैं।

इंडस्ट्री में डर और निराशा का सामना किया दीया मिर्जा ने

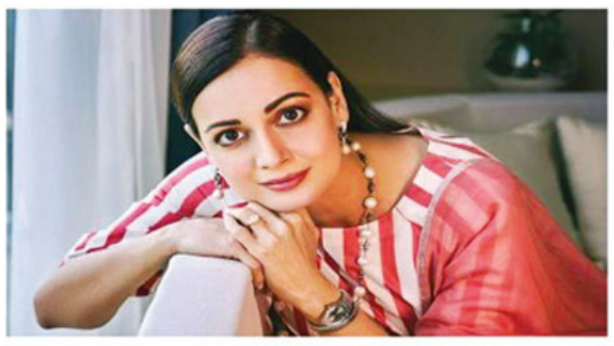

अपने हालिया इंटरव्यू में एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने बताया कि कैसे उन्होंने इंडस्ट्री में अपने पहले दिनों में डर और निराशा का सामना किया। दीया मिर्जा ने आईसी 814- द कंधार हाईजैक में अपनी हालिया भूमिका के लिए प्रशंसा प्राप्त की है, लेकिन उनके करियर की शुरुआत आसान नहीं थी।
दीया ने उन दिनों की यादें साझा की जब उनकी कुछ फिल्में सफल नहीं हुईं और वह बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। दीया ने खुलासा किया, मैं दुखी थी और डर से भरी हुई थी। मीडिया और इंडस्ट्री ने हमारे दिमाग में यह बैठा दिया था कि औरतों की शेल्फ लाइफ होती है। अगर आप 20 साल की हैं, तो आपको किसी बड़े स्टार के साथ कास्ट नहीं किया जाएगा। मेल सुपरस्टार्स को आपकी एक निश्चित उम्र चाहिए और एक निश्चित लुक में होना चाहिए। दीया ने बताया कि अब स्थिति में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब लोगों को यह समझ आ गया है कि यह एक नौकरी है, आपकी पूरी पहचान नहीं है। यह एक हिस्सा है, लेकिन यह सबकुछ नहीं है। अब यह समझा जाने लगा है कि यह जुनून है, लेकिन हमारे अस्तित्व को नियंत्रित नहीं कर सकता। दीया ने यह भी कहा कि कैसे कार्यस्थल पर महिलाएं अभी भी संघर्ष कर रही हैं।
मुझे पता है कि महिलाओं को कैसे शादी करने वाली महिलाओं को काम पर नहीं रखा जाता है। यह वास्तविकता है कि एक नौकरी आपके सभी निर्णयों को प्रभावित कर सकती है, लेकिन हमें इसे लेकर जागरूक रहना होगा।
दीया मिर्जा के अनुसार, बॉलीवुड में अब एक बदलाव आ रहा है जहां महिलाओं की स्थिति और भी बेहतर हो रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में महिला एक्ट्रेस को अधिक सम्मान और अवसर मिलेंगे।

57 साल के हो गए अक्षय कुमार, शेयर की 'भूत बंगला' की झलक

बालीवुड के खतरों के खिलाडी यानि कि एक्टर अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग हॉरर कॉमेडी मूवी 'भूत बंगला' की पहली झलक शेयर की। हिंदी सिनेमा में स्मार्ट और हैंडसम लुक्स से अभिनेत्रियों के दिलों पर राज करने वाले अक्षय ने एक्स पर फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर किया। तस्वीर में अक्षय एक कटोरी में दूध पीते हुए नजर आ रहे हैं और उनके कंधे पर एक काली बिल्ली खड़ी है। अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, साल दर साल मेरे जन्मदिन पर आपके प्यार के लिए धन्यवाद! इस साल का जश्न भूत बंगला के फर्स्ट लुक के साथ! मैं 14 साल बाद प्रियदर्शन के साथ फिर से जुड़ने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। इस ड्रीम कोलैबोरेशन को काफी समय हो गया है। इस जर्नी को आप सभी के साथ शेयर करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। मैजिक के लिए बने रहें! फिल्म की ज्यादा डिटेल शेयर नहीं की गई और यह 2025 में रिलीज होगी। अक्षय और प्रियदर्शन ने साथ में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। जिनमें हेरा फेरी, दे दना दन, भूल भुलैया, गरम मसाला और खट्टा मीठा जैसी फिल्में शामिल हैं। इससे पहले, बॉलीवुड के एक्शन हीरो और सुपरस्टार अक्षय कुमार ने गणेश चतुर्थी के शुभ मौके पर अपने नए प्रोजेक्ट का संकेत दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी अपकमिंग फिल्म की पहली झलक भी दिखाई, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया था। एक्टर ने सोशल मीडिया पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, गणपति बप्पा मोरया, आज के दिन से बेहतर दिन और क्या हो सकता है, जब आप कुछ खास होने का संकेत दें। मेरे जन्मदिन पर इसका खुलासा होगा। इंतजार करिए।

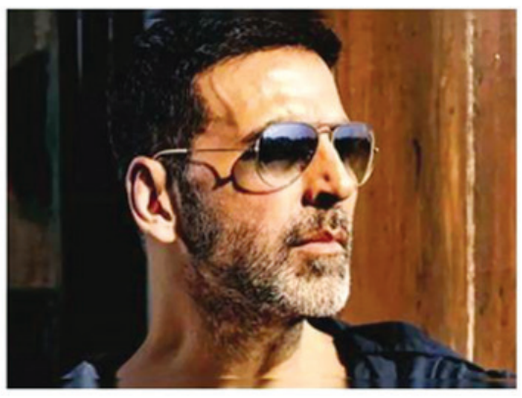

धनिया का किरदार निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण: स्मिता साबल

छोटे परदे की अभिनेत्री स्मिता साबले ने कहा कि उन्होंने शुरुआत में शो में एक नकारात्मक किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। टेलीविजन शो भीमा में धनिया की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ने जिस भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था वह वर्तमान में निभाए जा रहे उनके किरदार से बिल्कुल अलग थी। स्मिता ने कहा, यह काफी दिलचस्प कहानी है। मैंने शो भीमा के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन वह धनिया की भूमिका के लिए नहीं था। मैंने एक नकारात्मक भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन मुझे धनिया की भूमिका के लिए चुना गया। यह पूरी तरह से आश्चर्यचकित करने वाला था। मैं बहुत रोमांचित थी। धनिया का किरदार निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मैं अपने करियर में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को लेकर खुश हूं।अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में कहा कि सामाजिक चुनौतियों के बावजूद अपनी बेटी भीमा की पढ़ाई के लिए धनिया की तरफदारी करना उसकी परवरिश की भावना का प्रमाण है। कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद धनिया का हिम्मत और दृढ़ संकल्प कभी कम नहीं हुआ। अभिनय जगत में आने से पहले अभिनेत्री ने 2019 तक कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम किया। हालांकि वह शुरू से ही एक्टिंग करना चाहती थीं।

उन्होंने आगे बताया, 'अपने खाली समय में मैं वीडियो बनाती थी और सोशल मीडिया पर मोनोलॉग करती थी। मुझे मॉडलिंग में भी दिलचस्पी थी और मैं उस रास्ते से इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहती थी। हालांकि, 2020 में महामारी ने मेरे करियर को अभिनय की ओर मोड़ दिया।उन्होंने कहा, 'उन्होंने मुझे भावनाओं को व्यक्त करने के लिए सही भावों का उपयोग करने में मार्गदर्शन किया, इस प्रकार धनिया के मेरे चित्रण को और अधिक वास्तविक बना दिया' ।शो के लिए अपनी तैयारी के बारे में उन्होंने कहा, महाराष्ट्रीयन होने के नाते उत्तर प्रदेश में सेट किए गए शो पर काम करने के लिए मुझे स्थानीय बोली और लहजे में महारत हासिल करने की जरूरत थी ताकि मैं अपने किरदार के प्रति प्रामाणिक और सच्ची बन सकूं। मेरे पिछले अनुभव से मुझे काफी मदद मिली। मेरी टीम और सह-कलाकारों के समर्थन ने वास्तव में इसमें मेरी काफी मदद की।

अंकिता और विक्की जैन की जोडी पर खूब प्यार लुटा रहे प्रशंसक

बालीवुड अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया पर पति विक्की जैन के साथ एक तस्वीर शेयर की, जिसपर उनके प्रशंसक जमकर प्यार लुटा रहे हैं। इस फोटोशूट ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है और उनके प्रशंसक उनकी जोड़ी को बहुत पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की। जोड़ी दमदार लग रही है। ब्लैक कलर की ड्रेस पहन रखी है। नेचुरल मेकअप लुक चुना है। बालों का पोनीटेल बनाया है और स्टड इयररिंग्स और ब्लैक हील्स के साथ लुक को पूरा किया है। उनके पति विक्की जैन सफेद टी-शर्ट, मैचिंग ब्लेजर और ट्राउजर में शानदार दिख रहे थे। वीडियो में दोनों एक दूसरे को गले लगाते और कैमरे के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। क्लिप में आगे अंकिता को बाथटब में पोज देते हुए दिखाया गया है। अंकिता लोखंडे ने कैप्शन में लिखा, हमने अपना मिडिल नाम हॉट एंड सैसी रखा है। उनके एक प्रशंसक ने अभिनेत्री की पोस्ट पर टिप्पणी की, यह सबसे हॉट जोड़ी है। एक अन्य यूजर्स ने कहा, यह हॉट है। बता दें कि अभिनेत्री अंकिता लोखंडे 14 दिसंबर 2021 को मुंबई में एक पारंपरिक समारोह में बिजनेसमैन विक्की जैन के साथ शादी के बंधन में बंधी थी। अंकिता लोखंडे ने साल 2009 में पवित्र रिश्ता में अर्चना की भूमिका निभाई थी। उनके एक्टिंग करियर को इस शो ने ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस शो में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने मानव की भूमिका निभाई थी। अंकिता लोखंडे (39) को आखिरी बार विनायक दामोदर सावरकर के जीवन पर आधारित फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में देखा गया था।

15 साल से ऊपर के हर शख्स को दें सीपीआर की ट्रेनिंग : काजोल

हाल ही में फेमस एक्ट्रेस काजोल ने हार्ट अटैक से मरने वालों की बढ़ती संख्या पर अपनी चिंता जाहिर की है और लोगों का खास सलाह दी है। एक्ट्रेस काजोल ने लोगों से अपील की कि 15 साल से ऊपर के हर व्यक्ति को सीपीआर देना सीखना चाहिए।
सीपीआर देकर कार्डियक अरेस्ट से पीड़ित व्यक्ति को बचाया जा सकता है। उन्होंने वीडियो शेयर कर लोगों को सीपीआर की ट्रेनिंग लेने के लिए जागरुक किया और कहा- नमस्ते. कार्डियक अरेस्ट से होने वाली मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। अगर कार्डियक अरेस्ट के पीड़ितों को सीपीआर नहीं दिया गया तो उसका बचना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, रिवाइव हार्ट फाउंडेशन के साथ जुड़कर 2024 में चलिए एक कोशिश करें। 15 साल से ऊपर के हर शख्स को सीपीआर की ट्रेनिंग दें। आप अपनी जान पहचान के कार्डियोलॉजिस्ट से भी सीपीआर देना सीख सकते हैं। ये मुश्किल नहीं है, लेकिन किसी के मुश्किल वक्त में काम जरूर आ सकता है। वहीं इस वीडियो को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा, मैं कार्डियक अरेस्ट अवेयरनेस वीक के कैंपेन एम्बेसडर के रूप में रिवाइव हार्ट फाउंडेशन के अविश्वसनीय काम का सपोर्ट करने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं। इस वर्ष, यह कार्डियक अरेस्ट के बारे में जागरूकता पैदा करने और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि ज्यादा से ज्यादा लोग सीपीआर सीखें। हमारा उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को ट्रेनिंग देना और उन्हें भविष्य में किसी की जान बचाने में मदद करने के लिए सशक्त बनाना है।
बता दें, हाल ही में टीवी एक्टर विकास सेठी का निधन भी हार्ट अटैक से हुआ है। एक्टर को नींद में सोते वक्त दिल का दौरा पड़ा और 48 की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह गए। देश दुनिया में कार्डियक अरेस्ट से होने वाली मौतों के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। बहुत कम उम्र में ही लोग हार्ट अटैक की वजह से अपनी जान गंवा रहे हैं। फिल्म और टीवी इंडस्ट्री से भी अब तक कई सेलेब्स दिल का दौरा पड़ने से अपनी जान गंवा चुके हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

जेनेवा में जयशंकर का इशारों में राहुल गांधी पर तंज

जेनेवा। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर इन दिनों विदेश दौरे पर हैं। जर्मनी का दौरा पूरा करने के बाद वे गुरुवार को जेनेवा पहुंचे। शनिवार को यहां एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस सांसद पर तंज कसते हुए कहा कि जीवन खटाखट नहीं है, इसके लिए कठिन मेहनत और परिश्रम की आवश्यकता है। बता दें कि राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के सत्ता में आने पर महिलाओं के खातों में तेजी से पैसे ट्रांसफर करने का वादा करते हुए खटाखट शब्द का इस्तेमाल किया था। जेनेवा में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करते हुए जयशंकर ने कहा, जब तक आप बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों का निर्माण नहीं करते, नीतियों को लागू नहीं करते तब तक या कठिन काम है। जीवन खटाखट नहीं है। जीवन मेहनत और लगन से भरा है। उन्होंने आगे कहा, जिन्होंने नौकरी की है, मेहनत की है। वह जानता है। यह मेरा आपके लिए संदेश है कि हमें कड़ी मेहनत करनी होगी।

राजद और जदयू के बीच छिड़ा वीडियो वॉर

पटना। बिहार की राजनीति अभी गरमायी हुई है। राजद और जदयू के बीच नोंकझोक जारी है। राजद और जदयू एक दूसरे को मजबूत करने का दावा कर रही है। वहीं राजद ने सीएम नीतीश कुमार का एक वीडियो जारी किया तो इसपर घमासान शुरू हो चुका है। दोनों दलों के बीच सियासी वार-पलटवार का दौर जारी है। सीएम नीतीश कुमार के द्वारा राजद के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए आग्रह करने का दावा तेजस्वी यादव ने किया तो जदयू नेता अशोक चौधरी ने सबूत सार्वजनिक करने की मांग की। जिसके बाद राजद के द्वारा जारी किए गए एक वीडियो पर भी सियासत गरमायी है। जदयू ने भी पुराने वीडियो जारी करके राजद पर पलटवार किया है। तेजस्वी यादव ने एक बयान दिया कि नीतीश कुमार ने राजद से आग्रह किया था कि साथ मिलकर सरकार बनाए। जिसके बाद जदयू के वरिष्ठ नेता और ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के कारण ही राजद को फायदा हुआ।

जुलाना सीट पर दो खिलाड़ी आमने-सामने

चंडीगढ़। हरियाणा के जींद जिले की जुलाना विधानसभा सीट पर दो खिलाड़ियों के आमने-सामने होने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व पहलवान विनेश फोगाट के सामने आम आदमी पार्टी ने रेसलिंग खिलाड़ी कविता दलाल को उतार दिया है। वहीं भाजपा ने जुलाना सीट पर पूर्व पायलट योगेश बैरागी पर भरोसा जताया है। ऐसे में यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि किस पार्टी का प्रत्याशी जनता का समर्थन प्राप्त करता है और किसके सिर जीत का सेहरा सजेगा। बता दें कि हरियाणा की जुलाना विधानसभा सीट पर आप, कांग्रेस और भाजपा ने अपने प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतार दिया है। लेकिन आप पार्टी के टिकट पर रेसलिंग खिलाड़ी कविता दलाल और कांग्रेस के टिकट पर खिलाड़ी विनेश फोगाट के चुनाव मैदान में आमने-सामने होने पर मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को कितना टक्कर दे पाते हैं।

हरियाणा चुनाव में पूरी ताकत के साथ उतरी आप पार्टी

नईदिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में सीट को लेकर बात न बन पाने पर आम आदमी पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरी है। आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली, दूसरी और तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। बता दें कि हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा सीटों पर आप पार्टी ने 40 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आम आदमी पार्टी के चुनाव मैदान में अकेले उतरने से क्या अन्य राजनीतिक पार्टियों के लिए खतरे की घंटी है। सियासी जानकारों के मुताबिक भले ही आप पार्टी पूरी ताकत के साथ हरियाणा विधानसभा चुनावों में उतर चुकी है। लेकिन अभी भी वह कांग्रेस और भाजपा से काफी पीछे है। हरियाणा की अधिकतर सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला होने की संभावना है। वहीं जननायक जनता पार्टी जैसे अन्य छोटे दल भी कुछ हद तक असर रखते हैं। लेकिन हरियाणा चुनाव में आप पार्टी की दावेदारी ने कई सीटों पर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से मिलने पहुंचीं ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी साल्ट लेक में स्थित स्वास्थ्य भवन के बाहर उस स्थल पर पहुंचीं, जहां जूनियर चिकित्सक आंदोलन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से कहा कि बारिश के बीच सड़क पर आप प्रदर्शन कर रहे हैं, इससे मेरी रातों की नींद उड़ गई है। मैं आपको आश्वासन देती हूं कि मैं आपकी मांगों पर गौर करूंगी, अगर कोई दोषी पाया गया तो कार्रवाई करूंगी।डॉक्टरों ने वर्तमान स्थिति पर अपनी निराशा और असंतोष व्यक्त करते हुए हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए। तनावपूर्ण माहौल के बावजूद मुख्यमंत्री ने चिकित्सा पेशेवरों से अपने कर्तव्यों पर लौटने की अपील करने के लिए किया। ममता ने रोगी की निरंतर देखभाल और संकट के समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इससे पहले ममता बनर्जी ने बड़ा बयान देते हुए कहा था कि लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हैं।

तीन खानदानों ने मिलकर जम्मू-कश्मीर को बर्बाद किया: मोदी

डोडा में विपक्षियों पर बरसे प्रधानमंत्री, कहा- परिवारवादी नहीं चाहते थे कि युवा राजनीति में आए, ये चुनाव जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करेगा

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर के डोडा में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का काम भी भाजपा सरकार ही करेगी। लेकिन आपको ऐसे लोगों से सावधान रहना है, जो अपने स्वार्थ के लिए आपका अधिकार छीनते रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। ये तीन खानदान...एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है। इन तीन खानदानों ने मिलकर आपके साथ जो किया है वो किसी पाप से कम नहीं है। ये तीनों खानदान जम्मू-कश्मीर को सालों तक बर्बाद करने के लिए जिम्मेदार हैं। बीते सालों में जम्मू कश्मीर में विकास का नया दौर आया है। इसका श्रेय यहां के नौजवानों को ही जाता है। मैं आज जम्मू कश्मीर के युवा को चाहे वो बेटी हो या बेटा

हो, उनके जोश और जज्बे को सेल्यूट करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि यहां पंचायत के चुनाव 2000 के बाद नहीं हुए थे, यहां बीडीसी के चुनाव कभी भी नहीं हुए थे। दशकों तक परिवारवाद ने यहां के बच्चों और होनहार नौजवानों को आगे नहीं आने दिया। परिवारवादी नहीं चाहते थे कि युवा राजनीति में आए। 2014 में सरकार में आने के बाद मैंने जम्मू-कश्मीर में नौजवानों की नई लीडरशीप को आगे लाने का प्रयास किया है। फिर 2018 में यहां पंचायत के चुनाव कराए गए, 2019 में बीडीसी के चुनाव हुए और 2020 में पहली बार डीडीसी के चुनाव कराए गए।ये चुनाव इसलिए कराए गए ताकि जम्मू-कश्मीर में डेमोक्रेसी ग्रासरूट तक पहुंचे।

पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन राजनीतिक दलों ने सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पीसते रहे। परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू कश्मीर में नए नेतृत्व को कभी उभरने ही नहीं दिया।

पीएम मोदी ने कहा, इस बार जम्मू-कश्मीर का चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला है। आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे। और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि एक सुरक्षित जम्मू कश्मीर का निर्माण करेंगे। यह चुनाव जम्मू कश्मीर का भाग्य तय करेगा। पीएम ने कहा कि मैं आपके इस प्यार और आशीर्वाद का बदला आपके और देश के लिए दोगुनी और तिगुनी मेहनत से चुकाऊंगा। हम सब मिलकर एक सुरक्षित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाएंगे और यह मोदी की गारंटी है।

यही है कांग्रेस की मोहब्बत की दुकान, भारत के एक सपूत का अमेरिका में किया अपमान : मोदी

पत्रकार से बदसलूकी का मामला अब बढ़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से भी इसको लेकर प्रतिक्रिया सामने आ गई है। पीएम मोदी जम्मू कश्मीर के डोडा में रैली करने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका में पत्रकार के साथ बदसलूकी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के बेटे का अमेरिका में अपमान बताया है। पीएम मोदी ने अमेरिका में पत्रकार के साथ हुई बदसलूकी पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान के दावे पर भी सवाल उठाए हैं। पीएम मोदी ने चुनावी रैली में कहा कि वे मोहब्बत की दुकान चलाने का दावा करते हैं। लेकिन हमारे देश के एक पत्रकार पर अमेरिका में कांग्रेस द्वारा बदसलूकी की गई। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के एक सपूत का अमेरिका में अपमान किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चैंपियन होने का दावा करते हैं, वे क्रूरता में शामिल थे। दरअसल, इंडिया टुडे के वाशिंगटन स्थित संवाददाता रोहित शर्मा ने हैरतअंगेज खुलासा करते हुए जानकारी दी कि टेक्सास के डलास में राहुल गांधी की टीम द्वारा उन पर कैसे अटैक किया गया। पत्रकार ने दावा किया कि राहुल गांधी के सहयोगियों ने उनका फोन तक छीन लिया और बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमलों के बारे में पूछे गए सवाल के फुटेज को जबरन डीलिट करने के लिए मजबूर किया। बीजेपी के मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने पूरी घटना का ब्यौरा अपने एक्स अकाउंट पर शेयर करते हुए कहा कि ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या इंडिया टुडे/आजतक इसे एक बड़ा मुद्दा बनाते हैं और अपने पत्रकार पर हमले को उजागर करने के लिए अपने मंच का उपयोग करते हैं। यह देखना भी उतना ही दिलचस्प होगा कि राजदीप सरदेसाई जैसे कांग्रेस के धुरंधर इसे प्राइम टाइम पर लेते हैं या नहीं।

पीएम की खानदान वाली टिप्पणी पर उमर बोले- पीडीपी में कोई कमी नजर नहीं आएगी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और गांदरबल विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब भाजपा को इन परिवारों में से किसी की मदद की जरूरत थी तब हम बर्बादी के ज़िम्मेदार नहीं थे। 6 साल पहले भाजपा का पीडीपी के साथ जम्मू-कश्मीर में रिश्ता था। चुनाव के दौरान उन्हें खराबी नजर आ ही जाती है। अगर भाजपा की संख्या कम पड़ी और पीडीपी ने उन्हें फिर से मदद करने का फैसला किया तो उन्हें पीडीपी में कोई कमी नजर नहीं आएगी। अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बारे में बात करनी चाहिए थी कि आतंकवादी हमले में लोग मारे गए हैं।

बता दें कि डोडा में एक रैली के दौरान पीएम मोदी ने मुफ्ती-अब्दुल्ला-गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव, तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है, एक खानदान पीडीपी का है। जम्मू-कश्मीर में इन तीन खानदानों ने मिलकर आप लोगों के साथ जो किया है, वो किसी पाप से कम नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाए हुए 5 साल हो गए हैं और हम आज भी मुठभेड़ों के बारे में खबरें रोज देख रहे हैं। बता दें कि जम्मू कश्मीर में पीएम मोदी का दौरा ऐसे वक्त में हुआ है जब लगातार आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ लगातार जारी है। बारामूला में आतंकियों को ढेर किया गया है। किश्तवाड़ में मुठभेड़ शुरू होने के कुछ घंटों बाद, बारामूला में सेना और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। किश्तवाड़ मुठभेड़ में सेना के दो जवानों की मौत हो गई। वहीं बारामूला के तापर पाटन में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया ऑपरेशन शनिवार को शुरू हुआ। मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया।

1987 के बाद 2024 में वो दौर आया है जब जम्मू-कश्मीर में उम्मीदवार घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर पा रहे हैं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में इस बार बहुत कुछ नया है। एक तो यह पहले ऐसे विधानसभा चुनाव हैं जो एक विधान और एक निशान यानि एक संविधान और एक झंडे के तहत हो रहे हैं। इससे पहले हुए विधानसभा चुनावों के दौरान जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लगे होने के कारण भारतीय संविधान पूरी तरह लागू नहीं होता था और राज्य का अपना एक अलग झंडा भी था। इस बार के चुनावों में नयी बात यह भी है कि बंदूक और पत्थरबाजी से मसलों का हल निकालने में विश्वास रखने वाले अलगाववादी भी चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें यह दिख चुका है कि सभी मुद्दों का हल लोकतांत्रिक तरीके से ही निकल सकता है। इसके अलावा इस बार के चुनावों में नयी बात यह भी है कि 1987 के बाद 2024 में पहली बार देखा जा रहा है जब उम्मीदवार घर घर जाकर चुनाव प्रचार कर पा रहे हैं। इससे पहले आतंकवाद के दौर में डर और तमाम तरह के प्रतिबंधों के चलते उम्मीदवार प्रचार नहीं कर पाते थे। लेकिन अब कश्मीर में डर और भय का माहौल नहीं है इसलिए उम्मीदवार मतदाता के घर तक और मतदाता पोलिंग स्टेशनों तक आसानी से पहुँचते हैं। हाल में लोकसभा चुनावों के दौरान कश्मीर घाटी में जिस तरह रिकॉर्ड मतदान हुआ था उससे उम्मीद है कि विधानसभा चुनावों के दौरान भी बंपर वोटिंग होगी।

खेल
प्रमुख समाचार

हॉकी में भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया

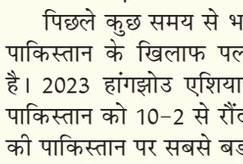

हुलुनबुइर। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। शनिवार को पूल स्टेज के एक मैच में हरमनप्रीत सिंह की टीम इंडिया ने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत ने दोनों गोल दागे। भारत की यह इस टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत रही। टीम इंडिया पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है।

भारत ने अपने पहले मैच में दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया था। वहीं, दूसरे मैच में टीम इंडिया ने मलयेशिया को 8-1 से रौंदा था। तीसरे मैच में भारतीय टीम ने जापान को 5-1 से शिकस्त दी थी। वहीं, चौथे मैच में चीन को हरमनप्रीत की टीम ने 3-0 से हराया था। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में 21 गोल दागे हैं, जबकि चार गोल खाए हैं। भारत के डिफेंस ने शानदार काम किया है। हरमनप्रीत ने इस टूर्नामेंट में पांच गोल, अराइजीत सिंह ने तीन गोल दागे।

भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 13वें मिनट और 19वें मिनट ने दोनों गोल दागे। वहीं, पाकिस्तान की ओर से एकमात्र गोल अहमद नदीम ने सातवें मिनट में किया था। उन्होंने गोल से पाकिस्तान को 1-0 से आगे कर दिया था। हालांकि, हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग टीम इंडिया की वापसी कराई। सेमीफाइनल के मुकाबले 16 सितंबर और फाइनल मैच 17 सितंबर को खेला जाएगा।

पिछले कुछ समय से भारतीय हॉकी टीम का पाकिस्तान के खिलाफ पलड़ा काफी भारी रहा है। 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से रौंद दिया था। यह भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत में से एक रही थी। इससे पहले चेन्नई में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से हराया था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

चार साल में चार गुना बढ़े उत्तर भारत के निवेशक

नई दिल्ली। उत्तर भारत के लोग अब प्रॉपर्टी और सोना जैसे पारंपरिक निवेशों के बजाय शेयर बाजार में पैसे लगा रहे हैं। यही वजह है कि पिछले चार वर्षों में शेयर बाजार में उत्तर भारत के निवेशकों की संख्या चार गुना बढ़ गई है। इसमें उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान सबसे आगे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020 में शेयर बाजार में उत्तर भारत के कुल 88.4 लाख निवेशक थे। इस साल जुलाई तक इनकी संख्या चार गुना बढ़कर 3.57 करोड़ पहुंच गई है। इस अवधि में पश्चिम भारत के निवेशकों की संख्या 1.08 करोड़ से 182 फीसदी बढ़कर 3.05 करोड़ पहुंच गई। दक्षिण भारतीय निवेशकों की संख्या 75 लाख से 172 फीसदी बढ़कर 1.89 करोड़ पहुंच गई। पूर्वी भारत में अभी 1.19 करोड़ निवेशक है, जो 296 फीसदी ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल से जुलाई तक उत्तर भारत में 33.3 लाख निवेशक बढ़े हैं।

सरकार ने प्याज पर निर्यात शुल्क घटाकर 20% किया

नईदिल्ली। सरकार ने प्याज निर्यात पर शुल्क को शुक्रवार को 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में कटौती शनिवार से प्रभावी होगी। चालीस प्रतिशत निर्यात शुल्क चार मई से लागू था। इससे पहले दिन में सरकार ने प्याज निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्याज पर 550 अमेरिकी डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य हटा दिया। भारत ने इस वित्त वर्ष में जुलाई तक 2.6 लाख टन प्याज का निर्यात किया। पिछले वित्त वर्ष में देश ने 16.07 लाख टन प्याज का निर्यात किया था। प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य हटाने का निर्णय रसोई घर में प्रयोग होने वाले इस प्रमुख खाद्य पदार्थ की खुदरा कीमतें ऊंची होने के बावजूद लिया गया।

बजाज हाउसिंग का आईपीओ ग्रे मार्केट में मचा रहा धमाल!

नईदिल्ली। बजाज हाउसिंग फाइनैंस के आईपीओ को निवेशकों की रिकॉर्ड तोड़ मांग का असर ग्रे मार्केट में भी देखने को मिल रहा है। बता दें कि बजाज हाउसिंग फाइनेंस के 6,560 करोड़ रुपये के आईपीओ की पेशकश के लिए संचयी बोली 3.2 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गई। कंपनी के इश्यू को करीब 90 लाख आवेदन मिले, जिससे इसने टाटा टेक्नोलॉजिज के 73.5 लाख आवेदनों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऐसी शानदार प्रतिक्रिया ने भारतीय आईपीओ बाजार के लिए नया बेंचमार्क तय कर दिया है और देसी वित्तीय कंपनी बजाज फाइनैंस व बजाज फिनसर्व के जरिये शेयरधारकों के लिए विशेष वैल्यू के सृजक के तौर पर बजाज समूह की परंपरा को मजबूत बनाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कामयाबी 5.5 लाख करोड़ डॉलर वाले देसी इक्विटी बाजार की मजबूती व गहराई को रेखांकित करती है और बड़े पैमाने पर होने वाली शेयर बिक्री को सहारा देने की क्षमता भी बताती है।

देश में जल्द होंगे पेट्रोल-डीजल सस्ते

नईदिल्ली। त्योहारी सीजन के दौरान देश में बहुत बड़ी खुशखबरी आने वाली है। इससे लाखों गाड़ी मालिकों को फायदा होने वाला है। यह फायदा पेट्रोल-डीजल से जुड़े दाम को लेकर है। अगर आपके पास भी गाड़ी है, तो अपनी टंकी को थोड़ा खाली रखिए। पेट्रोल-डीजल के दाम घटने वाले हैं। इसका कारण यह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल और ब्रेंट क्रूड लगातार सस्ते हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड की कीमत सालाना आधार पर 6.53% गिरकर 72.12 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। वहीं, कच्चे तेल की कीमत 3.38% घटकर 69.24 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। कच्चे तेल की कीमत में लगातार हो रही गिरावट के बाद अब संभावना यह है कि अगर कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी रही, तो दिवाली तक देश में पेट्रोल-डीजल सस्ते होंगे।

अमेरिका में लगातार बिगड़ती आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति

(गतांक से आगे...)

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका में प्रति परिवार वास्तविक औसत आय वर्ष 1973 में (वर्ष 2015 में डॉलर की कीमत पर) 50,000 अमेरिकी डॉलर थी। अमेरिका के लगभग आधे परिवारों की वास्तविक औसत आय 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक थी एवं शेष आधे परिवारों की 50,000 अमेरिकी डॉलर से कम थी, जिससे आय की असमानता आज की तुलना में कम दिखाई देती थी। वर्ष 1973 से वर्ष 2015 तक अमेरिका में उत्पादकता में 115 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि परिवारों की औसत आय (मुद्रा स्फीति के समायोजन के बाद) केवल 11 प्रतिशत ही बढ़ी है। यह भी, इस बीच, अमेरिकी महिलाओं को भारी मात्रा में प्रदान किए गए रोजगार के अवसरों के चलते सम्भव हो पाया है। इस प्रकार, मुद्रा स्फीति के समायोजन के पश्चात, अमेरिका में वर्ष 1973 के पश्चात औसत आय में वृद्धि नगण्य ही रही है। वर्ष 1973 से वर्ष 2007 के बीच अमेरिकी मध्यवर्गीय परिवारों ने उपभोग पर औसत खर्च को दुगने से भी अधिक कर दिया है। जिसके कारण इन परिवारों की बचत दर 10 प्रतिशत से घट कर 2 प्रतिशत हो गई है। बल्कि कई परिवारों को तो अपने मकानों पर ऋण लेकर एवं क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण लेकर भी काम चलाना पड़ रहा हैं।

जोसेफ शूम्पटर के अनुसार अमेरिका में कार ने घोड़ा गाड़ी को खत्म कर दिया एवं कम्प्यूटर ने टाइपराइटर को खत्म कर दिया। इसे रचनात्मक विनाश (क्रीएटिव डेस्ट्रक्शन) का नाम दिया गया, क्योंकि इससे उत्पादकता का स्तर बढ़ा था, परंतु रोजगार के लाखों अवसर समाप्त हो गए थे। अमेरिका में आज 5 में से 4 रोजगार के अवसर, सेवा क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं, जहां तुलनात्मक रूप से आय कम है। कृषि एवं उद्योग (विनिर्माण सहित) क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बहुत कम मात्रा में उपलब्ध हो पा रहे हैं।

60 वर्ष पूर्व तक अमेरिका विदेशी व्यापार के मामले में आत्मनिर्भर था। अमेरिका में विभिन्न उत्पादों का जितना उपभोग होता था उन लगभग समस्त उत्पादों का उत्पादन भी अमेरिका में ही होता था। बल्कि, विदेशी व्यापार के मामले में तो उस समय अमेरिका के पास विदेश व्यापार आधिक्य शेष रहता था। आज अमेरिका में विभिन्न उत्पादों का जितना उत्पादन होता है उससे कहीं अधिक उपभोग होता है। अमेरिकी नागरिक आज अपनी आय से अधिक व्यय करता हुआ दिखाई देता है। अमेरिका में कई नए शहरों की बसावट के पहिले, समस्त बड़े नगरों में 75 प्रतिशत श्रमिक रेल्वे एवं बसों से यात्रा करते थे। परंतु आज केवल 5 प्रतिशत नागरिक ही पब्लिक वाहनों का उपयोग, एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने जाने के लिए, करते हैं। समस्त नागरिकों के पास अपनी अपनी कार है एवं केवल स्वयं ही उस कार में वे यात्रा करते हुए पाए जाते हैं। इससे पेट्रोल, डीजल एवं गैस की खपत में बेतहाशा बृद्धि दर्ज हुई है। द्वितीय विश्व युद्ध तक अमेरिका कच्चे तेल का एक निर्यातक देश हुआ करता था परंतु आज अमेरिका अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का एक तिहाई भाग आयात करता है।

अमेरिका में वर्ष 2000 में विदेशी व्यापार घाटा 38,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का था जो 2021 में बढ़कर 86,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। 1970 के दशक तक, लगभग प्रत्येक वर्ष, अमेरिका के पास विदेशी व्यापार आधिक्य हुआ करता था। परंतु, इसके पश्चात अमेरिका की स्थिति विदेशी व्यापार के मामले में लगातार बिगड़ती चली गई है। विदेशी व्यापार घाटा के लगातार बढ़ते जाने से आज अमेरिका 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का ऋण प्रतिदिन ले रहा है। देश में लगातार बढ़ रही गरीबी अब एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की ओर स्थानांतरित हो रही है। कुल मिलाकर उक्त वर्णित अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वर्तमान हालत को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि पश्चिमी आर्थिक दर्शन पर टिका पूंजीवादी मॉडल पूर्णत: असफल हो रहा है। इसी कारण से अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा भी अब यह कहा जाने लगा है कि पूंजीवादी मॉडल समाप्ति की ओर अग्रसर हो रहा है अत: साम्यवाद एवं पूंजीवाद के बाद एक तीसरे आर्थिक रास्ते की अब सख्त आवश्यकता है, जो संभवत: केवल भारत ही उपलब्ध कर सकता है।

राजधानी में आयोजित भाजपा के सदस्यता अभियान में शामिल हुए प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन

सैकड़ों श्रमिकों को दिलाई पार्टी की सदस्यता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने शनिवार को राजधानी पहुँचकर भाजपा के सदस्यता अभियान में हिस्सा लिया। विदित रहे, प्रदेश में इन दिनों भाजपा का संगठन महापर्व सदस्यता अभियान तेज गति से चल रहा है और सभी कार्यकर्ता प्रदेश के लिए निर्धारित सदस्यता का लक्ष्य हासिल करने में जुटे हुए हैं। ज्ञातव्य है, अब तक प्रदेश में भाजपा की सदस्यता 10 लाख से अधिक हो चुकी है। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश प्रभारी नवीन सदस्यता अभियान में हिस्सा लेने और अभियान की समीक्षा करने रायपुर पहुँचे हैं। शनिवार को नितिन नवीन पहले औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक बंधुओं को सदस्यता दिलाने के कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होनें उरला मतदान केंद्र के सार्थक इस्पात इंडस्ट्रीज में उन्होंने श्रमिकों को भाजपा की सदस्यता दिलाई।

प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने रायपुर ग्रामीण में सिलतरा स्थित सार्थक इस्पात में सैकड़ों कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के तहत नवीन सदस्यता दिलवाई। सार्थक इसेपात में श्रमिक बंधुओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मूलमंत्र पर हासिल उपलब्धियों के परिप्रेक्ष्य में पूर्ण विश्वास व समर्थन व्यक्त करते हुए पूरे उत्साह के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सव्वनी, प्रदेश के सदस्यता अभियान के प्रभारीअनुराग सिंह देव, प्रदेश महामंत्री जगदीश (रामू) रोहरा, रायपुर ग्रामीण

विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, जिला रायपुर के अध्यक्ष जयंती पटेल उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने कार्यक्रम में कहा कि सभी कार्यकर्ता गली-गली घर-घर पहुँचकर भाजपा का सदस्य बनाकर पार्टी को सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बनाने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अर्जित उपलब्धियों ने भारत को एक नई पहचान दी है। मोदी की गारंटी पूरी करके भाजपा की हमारी प्रदेश सरकार ने अगाध जन विश्वास अर्जित किया है। सदस्यता अभियान भाजपा और देश को मजबूत बनाने का अनमोल अवसर है। सदस्यता हमारी पार्टी का मूल आधार है। इस अभियान में पूरे देश के सभी वर्ग, समाज, आयु के लोग आज भाजपा से जुड़ने के लिए तत्पर हैं।

प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सदस्यता अभियान में वे अपना अधिक-से-अधिक समय दे तथा इस अभियान में और तेज गति से जुटें ताकि निर्धारित अवधि में लक्ष्य से पार सदस्यता दिलाकर छत्तीसगढ़ भाजपा की मिसाल पेश की जा सके। प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने कहा कि संगठन की मजबूती और नवीनता के लिए अधिक-से-अधिक सदस्य बनाने का प्रण लेना होगा। केंद्रीय नेतृत्व ने जो लक्ष्य राज्य के लिए तय किया है, उसे पूरा करने के लिए हम सभी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सदस्यता अभियान को व्यापक रूप दे रहे हैं। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में लगातार सदस्य बनने की प्रक्रिया बेहतर है। करीब 10 लाख हमारे सदस्य बन गए हैं।

भाजपा प्रदेश प्रभारी नवीन अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान कल 15 सितंबर को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में विभिन्न चरणों में बैठकें लेकर भाजपा सदस्यता अभियान की समीक्षा करेंगे। इस क्रम में सबसे पहले सुबह 9 बजे रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की समीक्षात्मक बैठक होगी। इसके बाद वह सुबह 10 बजे से प्रदेश महामंत्रियों, संभाग प्रभारियों और प्रदेश सदस्यता टोली के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद 11 बजे से सभी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री, सभी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक व सह संयोजकों के साथ बैठक करके सदस्यता अभियान की समीक्षा करेंगे।

मांदर की थाप पर जमकर थिरके सीएम साय, कहा-

अपनी परंपरा और संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए

रायपुर। करमा तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। उन्होंने स्टेज में मांदर पर थाप दी और पारंपरिक करमा नृत्य किया। कार्यक्रम इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में हुआ। इस अवसर पर सीएम साय ने कहा सौभाग्य का विषय है हमारे कंवर समाज की ओर से राजधानी रायपुर में समारोह को शुभारंभ किया जा रहा है। समाज एक अच्छी परंपरा का शुरूआत कर रहा है। अपनी परंपरा और संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। हमारे बेटा-बेटी पढ़ लिख कर आगे बढ़ जाते हैं और अपनी परंपरा व संस्कृति को भूल जाते हैं। यह हम सबको याद रखना है कि अपनी परंपरा और संस्कृति को भूलना नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई तरह के करमा है। आज का त्योहार कुंवारी बेटियों की त्योहार है। बेटियों को अच्छा वर और घर मिले इसलिए ये पूजा की जाती है। दशहरा करमा विवाहित बेटी के लिए होता है। जितिया करमा बेटा बेटी के उम्र बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। बीमारी को दूर करने के लिए बांबा करमा मनाया जाता है, युवा बेटा उपासना करते हैं। सूखा दूर करने के लिए पानी करमा होता है, जिसमें इंद्र देव का उपासना की जाती है।

सीएम साय ने कहा कि आज हिन्दी दिवस है। इस साल से मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में होगी, जो हिन्दी में पढ़ना चाहता है उनको हिन्दी में पढ़ाया जाएगा। नई शिक्षा नीति रोजगार परख है। स्कूलों में अपनी भाषा व बोली में पढ़ाई शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री की सोच है कि बच्चों को उनकी भाषा में ही शिक्षा मिले। प्रदेश ये हमने शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ धान कटोरा है, 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी की गई है। महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिलाओं को हर माह एक हजार रुपए दिया जा रहा है। अयोध्या दर्शन योजना चला रही है। आपके समाज के बेटा प्रदेश के विकास लिए काम कर रहा है।

प्रधानमंत्री के किसान हितैषी फैसलों का लाभ छत्तीसगढ़ के किसानों को भी मिलेगाः साय

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के अन्नदाता किसानों की आय को बढ़ाने और उनकी खुशहाली के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के संचालन के साथ ही किसान हित में लगातार निर्णय ले रहें है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क हटाने के साथ ही खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी एवं प्याज के निर्यात शुल्क में कमी करने का निर्णय का छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वागत करते हुए कहा है कि इसका फायदा निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ के किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने श्री विष्णु देव साय ने देश के अन्नदाता किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने, खाद्य तेलों के आयात शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने के साथ ही प्याज के निर्यात शुल्क को 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है।

साय सरकार का वित्तीय प्रबंधन फेल, रिजर्व बैंक एक बार फिर बांड की नीलामी कर रही

रायपुर। साय सरकार की अर्थव्यवस्था नहीं संभल रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार ने रिजर्व बैंक को एक बार फिर 1000 करोड़ के प्रतिभूति को बेचने का प्रस्ताव दिया है। रिजर्व बैंक ने इस संबंध में नीलामी के लिये सार्वजनिक सूचना भी प्रकाशित करवाया है तथा छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिभूतियो की नीलामी 17 सितंबर को होना तय हुआ है। साय सरकार ने 9 माह में कर्ज लेने का नया रिकार्ड बनाया है। एक वित्तीय वर्ष मे छत्तीसगढ़ ने कर्ज लेने का नया रिकार्ड बनाया है। राज्य ने एक वित्तीय वर्ष मे 32000 करोड़ का कर्ज लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सभी कल्याणकारी योजनाओं को बंद करने के बाद भी सरकार कर्ज पर कर्ज ले रही है। साय सरकार ने रिजर्व बैंक से 9 माह में हर महीने औसतन 3500 करोड़ कर्ज लिया है। सरकार चलाने वालों को 9 माह में ही पसीना निकल गया। तथा सरकार का आर्थिक प्रबंधन गड़बड़ा गया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 5 सालों में जनता के खाते में सीधे 2 लाख करोड़ डाला था। वर्तमान सरकार ने बेरोजगारी भत्ता, गोबर खरीदी, गोठान संचालन, युवा मितान क्लब सभी कुछ बंद कर दिया उसके बाद सरकार कर्ज पर कर्ज लिये जा रही है। गाईड लाईन के दरे में 30 प्रतिशत की छूट खत्म कर दिया, शराब की कीमत बढ़ा दिया, जीएसटी में जबरिया वसूली हो रही, बिजली के दाम बढ़ा दिये फिर भी सरकार का खजाना खाली हो गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने पांच सालों में राज्य की जनता के ऊपर एक रू. भी अतिरिक्त कर्ज का बोझ नहीं डाला था। बिजली बिल आधा ही आता था, संपत्तिकर में एक रू. की भी बढ़ोत्तरी नहीं की गयी थी, डीजल पेट्रोल के वेट में कटौती की गयी थी। जमीनो के गाईड लाईन में पूरे पांच सालों तक एक रू. की भी बढ़ोत्तरी नहीं की गयी थी। इतनी राहतो के बावजूद कांग्रेस सरकार से जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता में रखा। गोधन न्याय योजना के माध्यम से लगातार लोगो की सहायता की गयी। इसके बावजूद छत्तीसगढ़ की आर्थिक स्थिति मजबूत रही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भूपेश बघेल सरकार ने छत्तीसगढ़ में वित्तीय अनुशासन और कुशल प्रबंधन का कीर्तिमान स्थापित किया था। अर्थव्यवस्था के तीनों सेक्टर कृषि, सेवा और उत्पादन के क्षेत्र में कांग्रेस सरकार के दौरान 2018 से 23 तक छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहा है। छत्तीसगढ़ विगत 3 वर्षों से कोई भी नया कर्ज़ नहीं लेने वाले देश के 4 राज्यों में अग्रणी राज्य रहा है। भूपेश सरकार में किसी भी तरह से ना कोई नया कर लादा गया और न ही किसी भी तरह से पूर्व से लगाए गए करो में कोई वृद्धि की गई, बल्कि सब्सिडी, राहत और रियायत लगातार छत्तीसगढ़ की जनता को मिलते रहा।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

वित्त मंत्री ने रेडेफाईन एस्थेटिक क्लिनिक का किया शुभारंभ

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज श्याम नगर स्थित कृष्णा इनफिनिटी बिल्डिंग में रेडेफाईन एस्थेटिक क्लिनिक का शुभारंभ करने के साथ ही क्लिनिक के संचालक डॉ. संदीप कुरेटी को बधाई और शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि इस क्लिनिक के प्रारंभ होने से लोगों को डेंटल सेवाओं के साथ ही स्किन एवं हेयर ट्रांसप्लांट आदि की सुविधाएं सुलभ होंगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में रायपुर में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होने से छत्तीसगढ़ की नहीं अपितु आस-पास के राज्यों के लाभ भी इलाज के लिए यहां आ रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अपर संचालक जनसंपर्क श्रएस.आर. कुरेटी सहित डॉ. मीनाक्षी वर्मा, डॉ. नवनीत वर्मा, डॉ. विवेक प्रधान, डॉ. आशीष पटेल, रजनीश मिश्रा, सुरेन्द्र त्रिपाठी, हरीश सिंह ठाकुर, पंकज प्रधान, सुनील कुकरेजा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मोटी रकम लेकर नियम विरुद्ध तहसीलदारों का ट्रांसफर किया

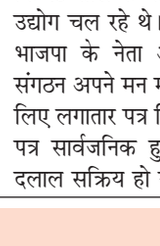

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मंत्री बंगलों में मोटी रकम लेकर नियम विरुद्ध तहसीलदारों का ट्रांसफर किया गया है। विधानसभा चुनाव के 3 महीना पहले ही तहसीलदारों का ट्रांसफर किया गया था सरकार बनते ही 9 महीने में दो बार तहसीलदारों का ट्रांसफर कर दिया गया। ट्रांसपरेंट पोस्टिंग के नियम कायदे को ताक पर रखा गया है। लंबे अरसे से एक स्थान पर काम कर रहे तहसीलदारों को ट्रांसफर का लाभ नहीं दिया गया बल्कि लेनदेन करके ट्रांसफर की सूची बनाई गई। कई तहसीलदार ऐसे हैं, जिनका चार माह में चार-चार बार ट्रांसफर हुआ है। एक महिला तहसीलदार ने अपने पारिवारिक कारण से ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था उससे ट्रांसफर के एवज में 15 लाख रु की मांग की गई पैसा नहीं देने के चलते उनका ट्रांसफर नहीं किया गया। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 15 साल के भाजपा सरकार के दौरान भी ट्रांसफर उद्योग चल रहे थे। 9 महीने की सरकार में बार-बार भाजपा के नेता और आरएसएस के आनुसांगिक संगठन अपने मन माफिक लोगों का ट्रांसफर करने के लिए लगातार पत्र लिख रहे हैं, सोशल मीडिया में कई पत्र सार्वजनिक हुए हैं। हर विभाग में भाजपा के दलाल सक्रिय हो गए हैं.

चौधरी ने अपने ही सरकार के विकास के दावों की पोल खोली

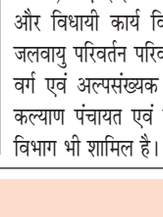

रायपुर। अपनी ही सरकार के मंत्रियों को छत्तीसगढ़ के वित्तमंत्री द्वारा बजट की राशि में खर्च बेहद कम करने को लेकर पत्र लिखे जाने पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि ओपी चौधरी ने अपने ही सरकार के विकास के दावों की पोल खोल दी है। वित्तमंत्री के पत्र से स्वत ही यह स्थापित हो रहा है कि भाजपा की सरकार के पास विकास योजना और निर्माण कार्यों के लिए इच्छा शक्ति का अभाव है। छत्तीसगढ़ शासन के पांच मंत्रियों के 13 विभागों की स्थिति पूंजीगत व्यय के मामले में पिछले वर्ष की अपेक्षा बेहद कम है, निर्माण कंपनियों और ठेकेदारों का भुगतान निर्धारित समय अवधि में नहीं हो रहे हैं। नई सड़के बनानी तो दूर रखरखाव तक सही तरीके से नहीं कर पा रही है यह सरकार। नये पुल पुलिया निर्माण, स्कूल कालेज, आंगनबाड़ी, अस्पताल, सार्वजनिक भवन, सरकारी कार्यालय भवनों सहित तमाम निर्माण और रखरखाव का काम पूरी तरह से बंद है। प्रदेश कांग्रेस वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि बजट आवंटन के बावजूद जन सुविधा और कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जिन विभागों की आक्रमान्यता के चलते राशि खर्च नहीं कर पा रहे हैं उनमें स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, पीएचई (लोक स्वस्थ्य यांत्रिकी), नगरीय प्रशासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, जल संसाधन विभाग, वन एवम जलवायु परिवर्तन परिवर्तन विभाग, आदिमजाति विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग और कृषि विभाग तथा किसान कल्याण पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ ही गृह विभाग भी शामिल है।

विघ्नहर्ता के दर्शन-पूजन के लिए गोल बाजार पहुंचे मुख्यमंत्री

रायपुर। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के दर्शन और पूजन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज रात्रि 8 बजे राजधानी रायपुर के गोल बाजार पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां हनुमान मंदिर के समीप श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति के पंडाल में विराजित भगवान गणेश के दर्शन कर नवरत्न जड़ित 750 ग्राम का स्वर्ण मुकुट पहनाकर तिलक लगाया और विधिवत पूजा-अर्चना व आरती की। मुख्यमंत्री ने भगवान विघ्न विनायक से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। गौरतलब है कि राजधानी रायपुर के गोल बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास बीते 115 वर्षों से श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति द्वारा गणेश चतुर्थी पर गणपति प्रतिमा की स्थापना की जाती है। यहां विराजित की जाने वाली गणेश प्रतिमा अपनी भव्यता के कारण न सिर्फ गोल बाजार बल्कि पूरे रायपुर में आकर्षण का केन्द्र होती है।

हास्य कवि पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे को मिलेगी डी. लिट की उपाधि

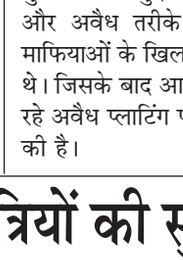

रायपुर. छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे को रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय की ओर से डी.लिट की उपाधि प्रदान की जाएगी. यह निर्णय आज राजभवन से जारी पत्र में पुष्टि की गई है. बता दें, डॉक्टर सुरेंद्र दुबे को पहले भी कई सम्मान मिल चुके हैं. उन्हें वर्ष 2010 में पद्मश्री, 2012 में पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान, अट्टहास सम्मान और संयुक्त राज्य अमेरिका में लीडिंग पोएट ऑफ इंडिया सम्मान प्राप्त हो चुके हैं. डॉक्टर दुबे की रचनाओं पर देश के तीन विश्वविद्यालयों ने पीएचडी की उपाधि भी प्रदान की है, जो उनकी साहित्यिक और अकादमिक उपलब्धियों की पुष्टि करती है.

अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर किया कब्जा मुक्त

बिलासपुर। राजधानी में गुरूवार को आयोजित राज्य के सभी कलेक्टरों की कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा जमीन का बंदरबांट और अवैध तरीके से कारोबार करने वाले भू माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। जिसके बाद आज सरकारी जमीन पर किए जा रहे अवैध प्लाटिंग पर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है।

न्यायाधीश कुरैशी ने केंद्रीय जेल रायपुर का किया औचक निरीक्षण, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में सुधार के दिए निर्देश

रायपुर. प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश अब्दुल शाहिद कुरेशी ने आज केंद्रीय जेल रायपुर का औचक निरीक्षण किया. इस निरीक्षण के दौरान, उन्होंने जेल के किचन और भंडार कक्ष का निरीक्षण किया और खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता में सुधार के लिए निर्देश दिए. इसके अलावा उन्होंने कैदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और जेल प्रशासन को मानवीय दृष्टीकोण से बेहतर भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करें.

निरीक्षण के दौरान, न्यायाधीश कुरैशी ने जेल के

कैदियों को दिए जा रहे भोजन को स्वयं चखकर उसकी गुणवत्ता और स्वाद का आकलन किया. उन्होंने जेलर को भोजन की गुणवत्ता और स्वाद को और बेहतर बनाने की सलाह दी.

स्वास्थ्य सुविधा और उपचार– निरीक्षण के दौरान, प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश ने जेल परिसर में स्थित अस्पताल का दौरा किया और बंदी मरीजों से बात की. उन्होंने डॉक्टरों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित किया और आवश्यकता पड़ने पर रायपुर के सरकारी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में इलाज करवाने की सलाह दी.

नेशनल लोक अदालत में राजीनामा– इसके अलावा, 21 सितंबर 2024 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में जिन मामलों में राजीनामा योग्य हैं, उन मामलों के लिए कैदियों को राजीनामा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया.

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के निर्देश– प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश ने सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के सभी निर्देशों का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि जेल के कैदियों को परिवार के सदस्य की तरह देखना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास करना हमारी जिम्मेदारी है.

छग-मप्र के बीच यात्रियों की सुविधा के लिए नये मार्गों पर चलेंगी यात्री बसें

रायपुर। छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश परिवहन विभाग द्वारा यात्री सुविधा के विस्तार एवं सुगम यातायात हेतु 17 वर्षों के बाद दोनों राज्यों के विभागों की पहल पर विगत 11 सितम्बर, 2024 को मध्यप्रदेश के मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल में बैठक आयोजित की गई। मध्यप्रदेश राज्य की ओर से इस बैठक में एस. एन. मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से एस. प्रकाश, सचिव, परिवहन विभाग सह परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ की उपस्थित में हुई।

दोनों राज्यों के बीच परिवहन विभाग के विभिन्न मुद्दों पर छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के मध्य वर्ष 2007 में हुए अंतर्राज्यीय पारस्परिक यातायात समझौता में अभिवृद्धि किये जाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 34 नवीन मार्गों एवं मध्यप्रदेश राज्य द्वारा 19 नवीन मार्गों को जोड़ने पर सहमति बनी। इसके अलावा पारस्परिक करार के 81 मार्गों में 36 मार्गों में रिक्ति नहीं होने के कारण फेरा वृद्धि, सहमति मार्गों को पारस्परिक करार में शामिल करने, यातायात के आधुनिकीकरण, मुक्त जोन पर किसी प्रकार का टैक्स नहीं लेने, सहित संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण सहित अनेक महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सहमति बनी। बैठक में लिये गये सभी निर्णयों पर कार्यवाही आगामी दिनों में वैधानिक प्रक्रिया अनुसार की जाएगी। इस बैठक में सी.बी. चक्रवर्ती, सचिव, मध्यप्रदेश शासन परिवहन विभाग, डी.पी. गुप्ता, परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश, डी. रविशंकर, अपर परिवहन आयुक्त छत्तीसगढ़, उमेश जोगा, अपर परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश, मनोज कुमार ध्रुव, उप परिवहन आयुक्त छत्तीसगढ़ एवं श्री एच. के. सिंह सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकार मध्यप्रदेश सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.